सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 107 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 29 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सरगुजा, रायपुर, पेंड्रा में कोहरा, 3 दिन गिरेगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड बढ़ने की संभावना है। सरगुजा संभाग और उससे लगे जिलों में अगले 3 दिनों तक न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। वहीं रायपुर, बिलासपुर और बस्तर संभाग के जिलों में अगले 4 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। अंबिकापुर में कोहरा छाया हुआ है। वहीं रायपुर और आसपास के जिलों में सुबह से कोहरा छाया हुआ है। रायपुर में दिन का तापमान लगभग 31.1 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

30 आईएएस-आईपीएस बने विधानसभा चुनाव ऑब्जर्वर

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। आयोग ने राज्य के कुल 30 प्रशासनिक अधिकारियों को चुनाव ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया है, जो अलग-अलग राज्यों में जाकर चुनावी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। इन नियुक्तियों में 25 आईएएस और 5 आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। ये अधिकारी असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान तैनात रहेंगे। वहां वे मतदान से जुड़ी व्यवस्थाओं, निष्पक्षता और प्रशासनिक कार्यों पर नजर रखेंगे।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर मुठभेड़, कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर

बीजापुर। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर डीआरजी जवानों और नक्सलियों की बटालियन के बीच मुठभेड़ हो रही है। बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में डीआरजी और माओवादियों के बीच सुबह 7 बजे से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है। हथियार से लैस माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर जवान सर्च ऑपरेशन में निकले थे। जहां नक्सलियों से सामना होने पर दोनों ओर से फायरिंग हुई। जानकारी के अनुसार, इस मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के मारे जाने और हथियार बरामद होने की खबर है।

अजित पवार के क्रैश विमान का मिला ब्लैक बॉक्स

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का बुधवार (28 जनवरी) को विमान हादसे में निधन हो गया। इस दर्दनाक घटना के एक दिन बाद क्रैश हुए प्लेन का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर बरामद कर लिए गए हैं। जहां विमान क्रैश हुआ, उस जगह पर डीजीसीए और फोरेंसिक के अधिकारी जांच में जुटे हैं। टीम ने पूरे घटनास्थल की गहन जांच पड़ताल की है।

परीक्षा पे चर्चा 2026 : 9 वें संस्करण में पांच राज्यों के 6.76 करोड़ स्टूडेंटस होंगे शामिल

नईदिल्ली। परीक्षा पे चर्चा 2026 में इस साल पीएम मोदी ने 5 राज्यों के बच्चों से मिलकर बात की। बच?चों ने न सिर्फ अपने मन में उठते सवाल पीएम से पूछे, बल्कि उन्हें चाय भी गिफ्ट में दी। इसका ट्रेलर शिक्षामंत्रालय ने 27 जनवरी को ट्वीट कर जारी किया है। पूरा कार्यक्रम जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

इस साल कुल 4.5 करोड़ लोगों ने MyGovIndia पोर्टल के जरिए परीक्षा पे चर्चा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें 4,19,14,056 स्टूडेंट्स, 28,84,259 टीचर्स और 6,15,064 गार्जियन शामिल हैं। साथ ही 2.26 करोड़ स्टूडेंट्स ने दूसरी एक्टिविटीज के जरिए रजिस्ट्रेशन कराया। ऐसे में कुल पार्टिसिपेंट्स की संख्या 6.76 करोड़ तक पहुंच गई।

परीक्षा पे चर्चा का यह 9वां संस्करण है। ये कार्यक्रम पीएम मोदी का एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म है, जिसमें देश-विदेश के स्टूडेंट्स, टीचर और पेरेंट्स परीक्षा से जुड़े तनाव, अनुभव और सकारात्मक तैयारी पर चर्चा करते हैं।

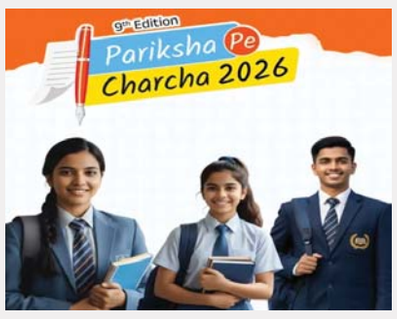

5 राज्यों में जाकर हिस्सा ले रहे हैं प्रधानमंत्री

इस बार परीक्षा पे चर्चा के लिए प्रधानमंत्री मोदी कम से कम 5 राज्यों में जाकर हिस्सा ले रहे हैं। वो दिल्ली के अलावा तमिलनाडु के कोयंबटूर, छत्तीसगढ़ के रायपुर, गुजरात के देव मोगरा और असम के गुवाहाटी जाकर छात्रों से रूबरू हुए हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री दिल्ली से बाहर जाकर चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं। ट्रेलर में बच्चे प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछ रहे हैं। एक बच्चा सवाल पूछता है ऐसी कौन सी छोटी सी हैबिट अपनानी चाहिए ताकि हम अपने सपनों के करीब पहुंच सकें? एक दूसरे बच्चे ने सवाल किया कि मोटिवेशन की जरूरत है या अनुशासन की? फिर तीसरे ने पूछा कि आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए क्या सलाह देना चाहेंगे? आपने अपने तनाव को कैसे हैंडल किया? ट्रेलर में प्रधानमंत्री इन सभी सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'परीक्षा के लिए सबसे जरूरी है लिखने की आदत डालना।

पुलिस विभाग को मिले 8 नए साइबर थाने, सीएम साय ने किया लोकार्पण

पुलिस विभाग को 255 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

■ अलग अलग जिलों में आवास और नवीन थाना भवन भी बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से वर्चुअली जुड़कर विभिन्न जिलों में 8 नए साइबर थानों और 255 करोड़ रुपए की लागत से तैयार पुलिस आवासीय भवनों तथा थाना भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पुलिस के जवानों को इस विशेष पहल के लिए शुभकामनाएं दी।

सीएम साय ने बुधवार को अलग अलग जिलों में कुल 8 नए साइबर थानों का शुभारंभ किया गया है। इससे पूर्व प्रदेश के पांच जिलों में साइबर थाना संचालित हैं। भविष्य में

आवश्यकता के अनुसार अन्य जिलों में भी साइबर थाने स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही चार जिलों में भारत वाहिनी के कैंपस, नौ जिलों में नए थाना भवन, माना में सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की चौकी तथा आवासीय भवनों का भी लोकार्पण किया गया।

सुंदर व सुविधाजनक बनाए गए हैं भवन : सीएम

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कहा कि पुलिस विभाग के लिए 255 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रेजेंटेशन के माध्यम से हमने देखा कि साइबर थाना, एसडीओपी कार्यालय, चौकी भवन, ट्रांजिट हॉस्टल एवं आवासीय भवन अत्यंत सुंदर और सुविधाजनक बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुविधाओं से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सकारात्मक वातावरण में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

इन विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

बालोद जिले के 21वीं भारत रक्षित वाहिनी करकाभाट, पुलिस थाना भवन सनौद, महासमुंद जिले के 20वीं भारत रक्षित वाहिनी परसदा, धमतरी जिले के पुलिस चौकी भवन करेलीबड़ी, रायपुर जिले के सेन्ट्रल आर्म्स स्टोर, 4थीं वाहिनी माना, ट्रांजिट हॉस्टल, बस्तर जिले के 19वीं भारत रक्षित वाहिनी करनपुर, बीजापुर के पुलिस थाना भवन तर्रेम, पुलिस थाना भवन नैमेड़, सुकमा जिले के पुलिस थाना भवन चिंतागुफा, थाना भवन चिंतलनार, कांकेर के 22वीं भारत रक्षित वाहिनी भीरावाही, नारायणपुर जिले के थाना भवन भरण्डा, थाना भवन बैनुर, ट्रांजिस्ट हॉस्टल नारायणपुर, दुर्ग जिले के पुलिस थाना भवन पद्मनाभपुर, पुलिस थाना भवन पुलगांव, 36 अराजपत्रित एवं 48 प्रधान आरक्षक आवासगृह, एसडीओपी कार्यालय भवन धमधा, बेमेतरा के एसडीओपी कार्यालय भवन बेरला, राजनांदगांव जिले के एसआईबी फिल्ड यूनिट, ट्रांजिट हॉस्टल, दुर्ग, सूरजपुर जिले के पुलिस चौकी कुदरगढ़, कोरिया जिले के 24 अराजपत्रित, 144 प्रधान आरक्षक व आरक्षक आवासगृह बैकुण्ठपुर एवं ट्रांजिट हॉस्टल बलरामपुर का लोकार्पण किया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पंचतत्व में विलीन, बड़े बेटे पार्थ पवार ने दी मुखाग्नि

■ अमित शाह, नितीन गड़करी, सीएम फडणविश सहित दिग्गज राजनेता हुए शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार पंचतत्व में विलीन हो गए। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार

बारामती के काटेवाड़ी में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके बेटे पार्थ पवार ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, चाचा शरद पवार, पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे, आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे सहित परिवार के लोग मौजूद रहे।

बता दें अजित पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह 8.45 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई।

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा जन सैलाब

अजित पवार की अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। बारामती की सड़कों पर जाम लग गया था। गुरुवार सुबह अजित के पार्थिव शरीर को काटेवाड़ी स्थित उनके आवास लाया गया गया था। अजित पवार के अंतिम दर्शनों के लिए समर्थकों का जमावड़ा लग गया। निवास के बाद अंतिम यात्रा के दौरान भी सड़कों पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई।

प्रमोशन न मिलने पर एसपी का छलका दर्द सीएम साय को पत्र लिखकर की शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम । छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में हाल ही में कई आईपीएस अधिकारियों को पदोन्नति मिली है। हालांकि, इस सूची में 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी और कबीरधाम एसपी धर्मेंद्र सिंह छवई का नाम शामिल नहीं है। इसे लेकर उन्होंने सवाल उठाए हैं और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने साथ हुए कथित अन्याय की शिकायत की है।

एसपी छवई का कहना है कि 2012 बैच के अन्य अधिकारियों को डीआईजी पद पर पदोन्नत कर दिया गया है, लेकिन उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। एसपी धर्मेंद्र सिंह छवई ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वे वर्तमान में कबीरधाम एसपी के पद पर पदस्थ हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी पदोन्नति सूचियों में, जिनमें 10 अक्टूबर 2024, 31 दिसंबर 2024, 26 मई 2025 और 31 जुलाई 2025 की तारीखें शामिल

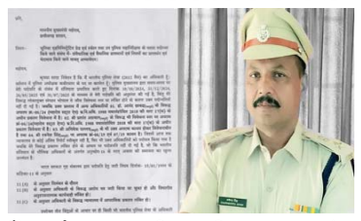

हैं, उनके नाम पर विचार किया गया। परंतु, हर बार उन्हें पदोन्नति से वंचित रखा गया। उन्हें पदोन्नति न देने का कारण यह बताया गया कि उनके खिलाफ लोकायुक्त संगठन, भोपाल में जांच लंबित है।

हालांकि, एसपी छवई का दावा है कि उनके खिलाफन तो कोई चार्जशीट जारी हुई है, न ही कोई विभागीय जांच चल रही है, और वे निलंबित भी नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई ऐसे अधिकारी हैं जिन पर उनसे कहीं अधिक गंभीर आरोप हैं और जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं, उन्हें पदोन्नति दे दी गई है।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म बनी सरकार की पहचान : आर्थिक सर्वे से पहले बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक सर्वे से पहले कहा अपने संबोधन में कहा कि देश का ध्यान इस समय केंद्रीय बजट पर केंद्रित होना स्वाभाविक है, क्योंकि बजट देश की आर्थिक दिशा और विकास की प्राथमिकताओं को तय करता है। लेकिन सरकार की पहचान केवल बजट तक सीमित नहीं रही है। बीते वर्षों में सरकार ने 'Reform, Perform और Transform' की नीति के जरिए देश के विकास को नई गति दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत सुधारों की 'Reform E&press' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह सुधारों की यात्रा केवल सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि संसद के सभी सदस्यों के सकारात्मक सहयोग से इसे लगातार मजबूती मिल रही है। उन्होंने संसद के सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा के कारण सुधारों की यह 'Reform E&press' निरंतर गति पकड़ रही है। देश अब लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के दायरे से निकलकर स्थायी और दूरगामी समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रायगढ़ में हाथी शावक की मौत

रायगढ़। रायगढ़ जिले के विकासखण्ड घरघोड़ा अंतर्गत ग्राम कया अंतर्गत जंगल क्षेत्र में एक हाथी के बच्चे (शावक) की मृत्यु का मामला सामने आया है। 27 जनवरी को ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई कि वन क्षेत्र में एक हाथी का बच्चा मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। रात होने के कारण दूसरे दिन 28 जनवरी की सुबह वन अमला आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 1310 स्थित घटना स्थल पर पहुँचा और मौके का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मृत हाथी सावक नर है, जिसकी आयु एक वर्ष से कम प्रतीत होती है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि अत्यधिक ढलान वाले क्षेत्र में गिरने के दौरान वह दो बड़ी चट्टानों के बीच की दरार में फंस गया, जिससे उसे गंभीर आंतरिक चोटें एवं आंतरिक रक्तस्राव हुआ और संभवत: इसी कारण उसकी मृत्यु हुई।

चांदी ने तोड़े सारे पुराने रिकॉर्ड : चार लाख के पार पहुंची कीमत

नईदिल्ली। भारत में सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है, जबकि चांदी चार लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत 5,591.61 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट गोल्ड 2.1त्न की तेजी के साथ 5,511.79 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। सोना इस सप्ताह अब तक 10 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है और सोमवार को पहली बार 5,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार किया था। चांदी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। स्पॉट सिल्वर 118.061 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि सत्र के दौरान इसने 119.34 डॉलर प्रति औंस का रिकार्ड छुआ।

बंगलूरू जा रही निजी बस में अचानक लगी आग

■ 10 यात्री बुरी तरह झुलसे, पुलिस ने शुरू की जांच

बंगलूरू। कर्नाटक में आज एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। यहां होसानगर से बंगलूरु जा रही एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। जिस समय यह घटना हुई, बस में कुल 36 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के भी जान का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, बस से

बाहर निकलने और अफरा-तफरी के बीच दस यात्री मामूली रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अपने रास्ते पर थी, तभी अचानक इंजन के पास से धुआं निकलने लगा। ड्राइवर ने समय रहते खतरे को भांप लिया और तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया। ड्राइवर ने शोर मचाकर सभी यात्रियों को फौरन नीचे उतरने के लिए कहा। यात्रियों के उतरते ही आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया।

जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की फिर मिली धमकी, इमेल मिलने से मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। में जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे। उन्होंने कोर्ट परिसर और अंदरूनी हिस्सों की बारीकी से जांच की। साथ ही न्यायालय आने वाले लोगों की भी तलाशी ली गई।

यह धमकी तमिलनाडु से हिंदी में लिखे एक ई-मेल के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय को प्राप्त हुई। ईमेल मिलते ही कोर्ट में हड़कंप की स्थिति बन गई। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने बताया कि यह मेल कोर्ट के एनआईसी पर आया था, जिसमें कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड को तैनात कर पूरे परिसर की जांच की गई। प्रारंभिक जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और इसे अफवाह प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

उड़ते ताबूत ने फिर निगली जिंदगियां

एक हवाई दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। वैसे तो हमारे यहां यह कोई उल्लेखनीय घटना नहीं थी। पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का इसमें शामिल होना इसे चर्चित बना गया। हादसों को लेकर हमारी खाल कुछ मोटी है। वैसे इस घटना के बाद एक बार फिर वही सबकुछ हुआ जो अब तक होता रहा है। टीवी पर चीख पुकार मच गई। घटना के बारे में जाने-सुने बिना तृणमूल की ममता और फिर उनकी देखादेखी सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसमें राजनीति ढूंढ निकाली। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की। बेसिरपैर की बातें अभी शुरू ही हुई थीं कि वयोवृद्ध नेता शरद पवार अपनी एक्सपर्ट ओपीनियन लेकर आ गए। उन्होंने कह दिया यह एक हादसा था और इसपर राजनीति न की जाए। उधर एक टीवी वाले भैया चीख-चीख कर कह रहे थे कि यह वही पायलट था जिसे दो बार शराब पीकर प्लेन उड़ाते पकड़ा गया था। यह वही पायलट था जिसे डीजीसीए ने तीन साल के लिए सस्पेंड किया था। वह कह रहा था कि एयरलाइंस को यही पायलट मिला था वीवीआईपी ड्यूटी के लिए। वह यह भी कह रहा था कि दो साल पहले भी इसी मेक की विमान का एक्सीडेंट हुआ था। उसकी जांच आज तक पूरी नहीं हो पाई। इस बीच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन अथॉरिटी की टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और ग्रामीणों के मुताबिक प्लेन ने एक चक्कर लगाने के बाद रनवे प्रारंभ होने से पहले ही जमीन को छू लिया था और लगभग तत्काल ही पलट गया था। कुछ और बातें एयर ट्रैफिक कंट्रोल और पायलट के बीच की बातचीत से सामने आई हैं। विजिबिलिटी कम होने के कारण पहली बार पायलट को रनवे दिखा ही नहीं था पर उसने मेडे कॉल नहीं किया था। बहरहाल दृष्यता को लेकर ऐसी लापरवाही हमेशा ही दुर्घटना का कारण बनती है ङ्क हवा में भी और जमीन पर भी। सुरक्षा प्रोटोकॉल फाइलों में कूदता-फांदता है। पैसे वालों को क्लीयरेंस वैसे ही मिल जाता है। जांच का काम कछुआ गति से चलता है और नतीजे आने के बाद भी सिर्फ घोषणाएं ही होती हैं।

कोलंबिया में विमान हादसा, उड़ान के बाद क्रैश, 15 की मौत

बोगोटा ए.। कोलंबिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित नोर्टे दे सांतांदेर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में बुधवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह विमान सरकारी एयरलाइन साटेना का था। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले प्रशासन को बताया कि विमान क्यूरासिका नाम के इलाके में गिरा है। इसके बाद तुरंत एक रेस्क्यू टीम को भेजा गया ताकि यात्रियों की स्थिति का पता लगाया जा सके। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर जीवित नहीं बचा।

संपादकीय

दुखद हादसा

महाराष्ट्र में खलेगी अजित पवार की कमी

बुधवार सुबह बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार के राज्य में राजनीतिक योगदान को नकारा नहीं जा सकता। राज्य में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य विपक्षी दलों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। हालांकि, ममता बनर्जी ने उनकी मौत को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं, लेकिन उनके राजनीतिक गुरु व चाचा शरद पवार ने उनकी मृत्यु को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को खारिज किया है। निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्यु ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका। विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। निस्संदेह, अजित पवार जनता के नेता थे और जमीनी स्तर पर लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। बताया जाता है कि प्रशासनिक मामलों में उनकी समझ गहरी थी। वे वंचित वर्ग को सशक्त करने के प्रयासों के लिये जाने जाते रहे हैं।

> **“ निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्यु ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका।**

बहरहाल, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में उनके बदलते दांव-पेचों के लिये याद किया जाता रहेगा। उनके बारे में कहा जाता रहा है कि वे उस कहावत को हकीकत बनाते रहे हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त नहीं होता और ना ही स्थायी दुश्मन। वे अपनों के साथ तो रहे, गैरों को भी रास आए। उन्होंने चाचा और अपने राजनीतिक गुरु शरद पवार से राजनीति के गुर सीखे। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है, लेकिन अजित पवार ने उनसे अलग होकर अपनी नई राह भी बनायी। यूं तो उन्होंने चाचा शरद के साथ राजनीतिक पारी शुरू की लेकिन साल 2023 आने तक वे एकला चलो की राजनीति करने लगे। हालांकि, उन्होंने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति का ककहरा सीखा लेकिन एक समय वे पार्टी का सिंबल भी ले जाने में कामयाब रहे। फिर शरद पवार को नई पार्टी बनाकर उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी। बारहवीं तक पढ़ाई के बावजूद वे अनुभवी नीतिकारों की सहायता से एक बेहतर प्रशासक भी साबित हुए। सहकारी चीनी मिलों से राजनीति की शुरुआत करने वाले पवार विधायक से लेकर सांसद तक चुने जाते रहे। वे राज्य में छह बार उप मुख्यमंत्री बने। साल 1991 में पहली बार बारामती से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने, लेकिन चाचा शरद पवार के लिये बाद में सीट खाली भी की। वे सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने। उनकी लोकप्रियता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वे सात बार विधायक चुने गए। फिर वे विलासराव देशमुख की कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में पहली बार सिंचाई मंत्री बने। फिर ग्रामीण विकास मंत्री भी रहे। बाद में वे एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन में जल संसाधन मंत्री भी रहे। साल 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उनके अचानक भाजपा गठबंधन के साथ आने और उप मुख्यमंत्री बनने ने सबको चौंकाया था। फिर पवार साल 2023 में महायुति गठबंधन का हिस्सा बनकर पांचवीं बार उप मुख्यमंत्री बने।

प्रगति@ 50 : शासन को इरादा नहीं, डिलिवरी परिभाषित करती है

टी.के. रामचंद्रन

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमों—पीएम गति शक्ति और प्रगति—का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं। प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च-स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच-विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ?

प्रगति की आवश्यकता

सार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार-संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमज़ोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमज़ोर तालमेल और साइलो-बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं।

इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंजूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु-मंत्रालयीय और बहु-राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है।

जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था।

प्रगति का आगमन

प्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फाइलों के आदान-प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फ़ाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है।

प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सर्वोच्च स्तर पर ध्यान

दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है।

प्रगति में समापन पर जोर दिया जाता है और यही बात उसे पहले के समीक्षा तंत्रों से अलग बनाती है। समस्याएँ तब तक सक्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें हल नहीं किया जाता, और उन्हें लगातार कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ट्रैक किया जाता है। केवल स्पष्टीकरण देना अब परिणामों का विकल्प नहीं है। समय के साथ, इस अनुशासन ने प्रशासनिक व्यवहार को बदल दिया है, जिससे मंत्रालयों और राज्यों को समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें बढ़ने से पहले हल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है ।

परिणाम

परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और आकलन करने योग्य हैं। 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं में तेज़ गति से काम हुआ है। हाल के वर्षों में, प्रगति के तहत पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की दस परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिससे अड़चनों का जल्द समाधान हुआ और तेज़ी से कार्यान्वयन संभव हुआ। मैं उदाहरण के रूप में दो परियोजनाओं को प्रस्तुत करूँगा।

लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) एक विशाल परियोजना है, जिसमें केंद्र सरकार के संस्कृति, रक्षा, विदेश, रेल और राजमार्ग जैसे कई मंत्रालयों के साथ-साथ गुजरात सरकार भी शामिल हैं। साथ ही, कई तटीय राज्यों के पवेलियन स्थापित किए जाने हैं, इसलिए संबंधित राज्य भी इस परियोजना का हिस्सा हैं। पिछले वर्ष एनएमएचसी परियोजना को प्रगति के एजेंडे में शामिल करने से कई स्तरों पर तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई। सामान्यत: एजेंडे को प्रधानमंत्री द्वारा समीक्षा से कुछ महीने पहले सूचित किया जाता है, जिससे विभिन्न हितधारकों को प्राथमिकता के साथ मुद्दों को हल करने का अवसर मिलता है। परिणामस्वरूप, ज्यादातर मुद्दे जो आधिकारिक/मंत्रालय स्तर पर हल किए जा सकते हैं, पहले ही सुलझ जाते हैं और केवल मार्गदर्शन या दिशा की आवश्यकता वाले शेष जटिल मुद्दे ही वास्तविक समीक्षा के दौरान उठाए जाते हैं।

इसी तरह, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से गुजरने वाले राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू)-1 पर लागू की जा रही जल मार्ग विकास परियोजना की प्रगति के तहत दो बार समीक्षा की गई। यह परियोजना अब समापन चरण में है और अधिकांश लंबित मुद्दे हल हो चुके हैं।

प्रगति फोरम एक महत्वपूर्ण सत्य पर जोर देता है: सार्वजनिक मूल्य या पब्लिक वेल्यू केवल योजनाओं की घोषणा करने से नहीं, बल्कि मंजूर किए गए निवेश के नतीजों में परिणत होने से उत्पन्न होता है। अटकी हुई परियोजनाएँ केवल नीतियों को दोबारा निरुपित किए जाने के कारण ही आगे नहीं बढ़ी, बल्कि कार्यान्वयन के मार्ग को आसान बनाने और जवाबदेही लागू करने के कारण आगे बढ़ीं। प्रगति का सहकारी संघवाद में योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिवों और केंद्रीय सचिवों को एक ही रीयल-टाइम प्लेटफ़ॉर्म पर लाया जाना बंटी हुई जिम्मेदारी के स्थान पर परिणामों की साझा जिम्मेदारी स्थापित करता है।

प्रगति @ 50 इस बात का सबूत है कि शासन के नतीजे संस्था की संरचना पर निर्भर करते हैं। साइलो समाप्त करके, कार्यान्वयन का व्यापक दृष्टिकोण बहाल करके और कार्य समाप्त करने को प्राथमिकता देकर, प्रगति यह दर्शाता है कि असरदार शासन का आशय केवल कार्यभार बढ़ाना नहीं, बल्कि पहले से स्वीकृत कार्य को तेज़ी, गुणवत्ता और तालमेल के साथ पूरा करना है। समयबद्ध कार्यान्वयन सेवाओं तक त्वरित पहुँच कायम करता है, अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करता है, क्षेत्रीय असमानताओं को घटाता है और सरकार की शासन करने की क्षमता में जनता का विश्वास मजबूत करता है।

प्रगति केवल नेतृत्व-प्रधान डिलिवरी का रिकॉर्ड ही नहीं, बल्कि जटिल शासन को संचालित करने की रूपरेखा भी है। वैश्विक स्तर पर इसे मिल रही तवज्जो और प्रशंसा इसी बात का प्रमाण है।

(लेखक पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के पूर्व सचिव हैं)

साइबर सिक्योरिटी अब कचरे से भी निपट रही है!

एन. रघुरामन

मैं उन्हें 'लिटर वॉरियर्स' कहता हूं, क्योंकि इनमें से हर एक मॉर्निंग वॉक के दौरान गुजरते वाहनों से फेंके फास्ट फूड कंटेनर के 100 टुकड़े उठाता है। उनमें से कुछ जमी हुई सड़क से एक-एक टुकड़ा निकालते हैं, कुछ फोटो लेते हैं और उन्हें एआई पावर्ड टूल में अपलोड करते हैं। यह टूल लोकेशन, कचरे का प्रकार और उस फास्ट फूड आउटलेट का नाम दर्ज करता है, जहां से वह आया है। इंग्लैंड के ग्रामीण इलाकों में चल रहे इस प्रयोग के दौरान लिटर वॉरियर्स ने पाया कि ज्यादातर कचरा मैकडॉनल्ड्स और कोस्टा कॉफी के उन आउटलेट्स से आया है, जो प्रोटेक्टेड नेशनल लैंडस्केप से कई मील दूर हैं।

कचरे के बैग भरते हुए वे पूरा एक थैला बिना खाए हुए बिग मैक, चीजबर्गर, नगेट्स और फ्रेंच फ्राइज भी इकट्ठा करते हैं। ये वॉलंटियर्स 'फास्ट लिटर' नामक अभियान के साथ इस जंग के अग्रिम मोर्चे में शामिल हैं। यह एक अभियान है, जिसका नाम लोगों द्वारा ग्रामीण इलाकों में, खासकर चलती कार से खाने-पीने की चीजों की पैकेजिंग फेंकने की प्रवृत्ति को देखते हुए रखा गया है।

यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लूस्टरशायर के साइबर विशेषज्ञों और स्ट्राउड डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के अधिकारियों के साथ मिलकर इस टीम ने आम तौर पर नजरअंदाज की जाने वाली इस समस्या को 'फास्ट लिटर' नाम दिया है। अब वे पहला डेटा सेट इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि पता चल पाए कि कचरे की समस्या कितनी व्यापक हो चुकी है।

इससे इस कचरे को पैदा करने वाले और फेंके जाने वाले हॉटस्पॉट की पहचान होगी। इससे भविष्य में इन वॉरियर्स को कार्रवाई करने और टारगेटेड एंटी-लिटर कैम्पेन चलाने में मदद मिलेगी। अगले माह आने वाला एआई पावर्ड एप अब नए उभर रहे उपभोक्ता व्यवहार पर फोकस कर रहा है, जो कार में बैठकर खाने और कचरे को कहीं भी या ग्रामीण इलाकों में फेंकने से संबंधित है।

इन वॉरियर्स का मानना है कि एआई की मदद से कचरे की ऐसी गिनती मैकडॉनल्ड्स और कोस्टा कॉफी जैसी कंपनियों पर सफाई का खर्च उठाने का दबाव बनाने में मदद करेगी। साइबर सिक्योरिटी के सीनियर लेक्चरर और इस प्रोजेक्ट के प्रमुख इन्वेस्टिगेटर रिचर्ड कुक ने बीते साल की बैलेंस शीट के हवाले से कहा कि 'फास्ट फूड सबसे ज्यादा मुनाफे वाला कारोबार है और यूके में मैकडॉनल्ड्स का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 11 मिलियन पाउंड से बढ़कर 76 मिलियन पाउंड हो गया था।'

एआई की मदद से उन्होंने ऐसी बारीक जानकारियां भी खोज ली हैं, जो आमतौर पर नजरअंदाज हो जाती हैं। मसलन, इन रेस्तरां की इन-स्टोर डाइनिंग फैसेलिटीज की तुलना में इनके ड्राइव-थ्रू आउटलेट्स की सड़कों पर कचरा कैसे बढ़ता जाता है। कुल 2,680 ड्राइव-थ्रू में से 1,080 अकेले मैकडॉनल्ड्स के हैं और कोस्टा कॉफी तथा स्टारबक्स भी धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

एआई से खुलासा हुआ है कि कैसे यह कचरा मिट्टी और पूरे इकोसिस्टम में घुल रहा है। डेटा सेट बढ़ने के साथ एआई टूल न सिर्फलिटर हॉटस्पॉट्स का अनुमान लगा पाएगा, बल्कि कुछ खास इलाकों में अनुमति देने से पहले नगरीय निकायों को भी सोच-विचार करने में मदद करेगा।

कुक के मुताबिक जहां तक कचरे की बात है तो कोई भी इसे लेकर कई लड़ाइयां लड़ सकता है। उन्हें आशा है कि उनका यह प्रोजेक्ट ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के खिलाफ जरूर सफल होगा, जो खुद मुनाफा कमाती हैं और सफाई का जिम्मा नगरीय निकायों पर डाल रही हैं।

ये लिटर वॉरियर्स मानते हैं कि फूड-ऑन-द-गो बिजनेस के लिए एक 'वॉलंटरी कोड ऑफ प्रैक्टिस' लागू की जानी चाहिए, जिसमें आउटलेट्स पर एंटी-लिटर साइनेज, परिसर के आसपास रोजाना कचरा उठाने की अनिवार्यता, जागरूकता और सख्त कार्रवाई के प्रावधान होने चाहिए। दरअसल, मैंने खुद भी एक प्रोजेक्ट किया था कि मैकडॉनल्ड्स ने अमेरिका ही नहीं, बल्कि मुंबई में 1999-2000 में अपना आउटलेट खोलने के बाद कैसे आसपास की सफाई की थी। जब मैं हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री कवर करता था तो वे सबसे जिम्मेदार फास्ट फूड आउटलेट्स में से एक थे। फंडा यह है कि अगर आप सच में उस कचरे-गंदगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, जो कार में चलते हुए खाना खाने वालों की आदत बन चुका है, तो हमें बड़े पैमाने पर तकनीक की मदद लेनी होगी।

अच्छी-सच्ची पत्रकारिता की कसौटी पर खरे उतरे मार्क

विश्वनाथ सचदेव

किसी भी पत्रकार के लिए मार्क टली जैसा विश्वास पाना किसी तमगे से कम नहीं है। वैसे उन्हें तमगे भी कम नहीं मिले भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया और इंग्लैंड की महारानी ने उन्हें 'सर' का खिताब दिया।

यह मेरा दुर्भाग्य ही है कि मुझे बीबीसी के भारत स्थित संवाददाता स्वर्गीय मार्क टली से मिलने का कभी अवसर नहीं मिला, पर हकीकत यह भी है कि मैं पिछले चार-पांच दशकों में उनसे अक्सर मिलता रहा हूं। यह मिलना बीबीसी रेडियो के माध्यम से होता था। दशकों से रेडियो बीबीसी विश्वसनीय खबरों का एक पर्याय बन चुका हुआ था, और मेरे जैसे लाखों-करोड़ों श्रोता बीबीसी के माध्यम से ही खबरों की विश्वसनीयता परखा करते थे। बीबीसी को यह श्रेय जहां संस्थान की रीति-नीति के कारण मिलता था, वहीं सर मार्क टली जैसे सजग और ईमानदार पत्रकारों ने बीबीसी की विश्वसनीयता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

आज मार्क टली हमारे बीच नहीं हैं। भारत में ही जन्मे सर टली के निधन से ईमानदार पत्रकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हमारे बीच से उठकर चला गया। वे चाहते थे कि उनका निधन भारत में ही हो और यह संयोग मात्र नहीं है कि भारत के बनते इतिहास का यह साक्षी अपनी जन्मभूमि से ही विदा हुआ। जब रेडियो के माध्यम से समय की सच्चाई जानने वाले श्रोता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, तो उस व्यक्ति के साथ ही उस पत्रकारिता की बात भी होनी चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता रहा। और यह अवसर इस बात का भी है कि हम पत्रकारिता, विशेषकर भारत की पत्रकारिता के बारे में भी सोचें, यह आकलन करने की कोशिश करें कि आज हमारी पत्रकारिता की स्थिति क्या है, और जैसी है, वैसी क्यों है?

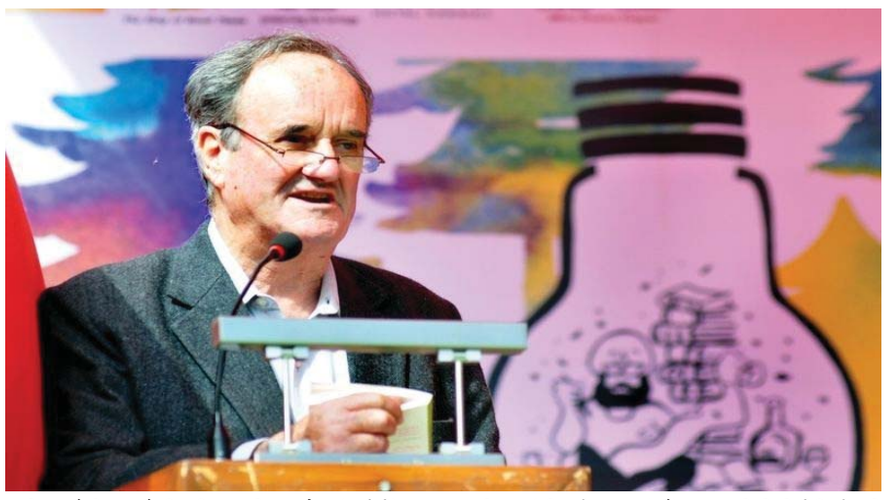

अच्छी और सच्ची पत्रकारिता की शायद सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विश्वसनीयता के संदर्भ में वह कहां ठहरती है।, था एक ज़माना जब यह माना जाता था कि अखबार में यदि कुछ छपा है तो वह सही ही होगा, जो अखबार जितनी ज़्यादा तटस्थ और सही खबरें देता था, वह उतना ही बेहतर माना जाता था। अब जबकि अखबार के साथ टेलीविजन और सोशल मीडिया भी खबरों की दुनिया का हिस्सा, प्रमुख हिस्सा कहा जाना चाहिए, बन गया है, तो विश्वसनीयता का महत्व और बढ़ जाता है। जिसकी जितनी ज़्यादा पहुंच है, उससे उतनी ही ज़्यादा ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है। यह ईमानदारी ही मीडिया के कद को नापती है।

मुझे याद है जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1984 में हत्या हुई तो राजीव गांधी दिल्ली से बाहर (बंगाल में) थे। तब उन्होंने बीबीसी रेडियो के माध्यम से ही समाचार की पुष्टि की थी। ज्ञातव्य है कि ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) ने तो शाम छह बजे तक उनकी मृत्यु की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। कारण कुछ भी बताये जायें, पर यह हकीकत अपनी जगह है कि राजीव गांधी को तब इंग्लैंड का बीबीसी रेडियो ही विश्वसनीय लगा था। यह दुर्भाग्य ही है कि आज हमारा रेडियो सरकारी सूचनाओं का भोंपू बनकर रह गया है! दुर्भाग्य यह भी है कि आज हमारे मीडिया का एक बड़ा हिस्सा विश्वसनीयता के संकट का शिकार हो गया है।

लगभग आधी सदी पहले जब 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था तो उसका सबसे बुरा असर मीडिया पर ही पड़ा था। उस कठिन समय में जिन गिने-चुने साहसी पत्रकारों ने सरकार के इस आदेश का पालन करने से इनकार किया, उनमें बीबीसी रेडियो के भारत स्थित संवाददाता मार्क टली का नाम बड़ी प्रमुखता से लिया जाता है। तब उन्हें चौबीस घंटे में भारत छोड़कर जाने का आदेश तत्कालीन सरकार ने दिया था।

सरकार के आगे घुटने टेकने के बजाय मार्क टली ने अपने देश लौट जाना बेहतर समझा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए वे इंग्लैंड लौट गये। पर सरकार उनकी वाणी पर प्रतिबंध नहीं लगा पायी थी। लंदन में रहते हुए भी वह भारत स्थित अपने सूत्रों से सही सूचनाएं प्राप्त करते रहे— भारत समेत दुनिया भर के श्रोताओं तक उन्हें पहुंचाते रहे।

बीबीसी से सेवानिवृत्त होने के बाद भी मार्क टली ने भारत को ही अपना देश बनाया। वे भारत और भारत की चुनौतियों को अच्छी तरह समझते थे, और उनका मानना था कि जनता तक सही और समुचित जानकारी पहुंचाना पत्रकारिता का दायित्व है। उनका स्पष्ट कहना था कि पत्रकारिता का एक ही नियम है अपने आप से यह पूछिए कि कोई आप पर क्यों विश्वास करता रहे। एक बार यदि विश्वास टूट जाये तो फिर से प्राप्त करना लगभग असंभव है। उनकी संवेदना जनता के ही निकट रहती थी, पर इस बात का भी ध्यान उन्हें हमेशा रहा कि संवेदना भावुकता का रूप न ले ले। जनता से उनकी निकटता का यह परिणाम था कि जनता के मूड या भावना को वह आसानी से समझ जाते थे।

उनके साथी पत्रकार अक्सर उनके इस गुण की चर्चा किया करते थे। यह जनता से उनकी निकटता का ही परिणाम (या प्रमाण) है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक दौरे के दौरान एक ग्रामीण ने उनके साथियों से कहा 'टली साहब कह रहे हैं तो सच ही होगा!' किसी भी पत्रकार के लिए इस तरह का विश्वास पाना अपने आप में किसी तमगे से कम नहीं है। वैसे उन्हें तमगे भी कम नहीं मिले भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया और इंग्लैंड की महारानी ने उन्हें 'सर' का खिताब दिया। दो सरकारों द्वारा इस तरह से सम्मानित करना अपने आप में एक विशेष उपलब्धि से कम नहीं है, पर सर मार्क टली के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार अपने पाठकों-श्रोताओं का विश्वास प्राप्त करना था। इस तरह विश्वास अर्जित करने वाले पत्रकार कम ही होते हैं। यह विश्वास ही सच्ची-अच्छी पत्रकारिता की पहचान है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हर रोज नई ऊंचाई

सोने और चांदी की कीमतों में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे दुनिया की आर्थिक, वित्तीय, एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव नाटकीय ढंग से बढ़ रहा है। इस गति की अपेक्षा उन लोगों को भी नहीं थी, जो अंतरराष्ट्रीय कारोबार की मुद्रा के रूप में डॉलर के भविष्य को लेकर आशंकित रहे हैं। न्यूयॉर्क में प्रति औंस सोने का भाव 5000 डॉलर के ऊपर चला गया। भारत में प्रति दस ग्राम सोने की कीमत एक लाख 66 हजार रुपये से अधिक हो गई है। इसी के साथ चांदी के भाव में बेहद तेज उछाल आया है। सोमवार को भारत में प्रति किलोग्राम चांदी का भाव तीन लाख 60 हजार रुपये से अधिक दर्ज किया गया।

इन दोनों धातुओं की कीमत में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे वैश्विक आर्थिक, वित्तीय एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। वैसे तो यह ट्रेंड कई साल पहले शुरू हो गया था, लेकिन 2025 में विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों के सोना खरीदने की होड़ काफी तेज हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है कि सभी देशों को मिला कर देखें, तो उनके सेंट्रल बैंकों के

विदेशी मुद्रा भंडार में मौजूद सोने की कीमत उनके भंडार में मौजूद डॉलर की कीमत से अधिक हो गई है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय भुगतान में डॉलर अब भी सबसे बड़ा माध्यम है, लेकिन आनुपातिक रूप से इसके हिस्से में गिरावट आई है।

इस बीच डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों ने डॉलर को लेकर निवेशकों में अविश्वास और बढ़ाया है, जिस वजह से वे डॉलर संपत्तियां बेच कर सोना और चांदी खरीद रहे हैं। उनमें यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि देर-सबेर गोल्ड स्टैंडर्ड वापस आएगा, जिसमें मुद्राओं की कीमत संबंधित देश के भंडार में मौजूद सोने से तय होगी।

जिंबाब्वे ने अपनी मुद्रा को स्वर्ण से जोड़ कर मुद्रास्फीति दर घटाने में अप्रत्याशित सफलता पाई है। इससे यह संदेश मजबूत हुआ है कि दुनिया एक बड़े बदलाव के मुहान पर है। मगर इस परिघटना का सबसे ज्यादा नुकसान भारत जैसे देशों के आम लोगों को हुआ है। सोना हर रोज उनकी पहुंच से और अधिक बाहर होता जा रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जयसवाल समाज द्वारा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

भिलाई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जायसवाल समाज कल्याण समिति, भिलाई द्वारा बाबा दीप सिंह नगर में ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण बैकुंठ जायसवाल एवं कुंदन जायसवाल ने किया। समिति के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल ने अपने उद्बोधन में गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। समिति के युवा अध्यक्ष विकास जायसवाल, रामलखन जायसवाल एवं राहुल जायसवाल की सक्रिय भूमिका रही। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनु जायसवाल, रंजीत जायसवाल, तीरथ जायसवाल, सौरभ जायसवाल, कृष्ण कुमार जायसवाल सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

टैक्स नहीं भरने पर कटे नल कनेक्शन, दबाव आया काम

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा बकाया कर वसूली को लेकर लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। वॉर्ड नंबर 28 में सोहन सिंह/तुलसा सिंह द्वारा लंबे समय से 1,34,807 रुपये का टैक्स जमा नहीं किए जाने पर उनके परिसर के दो नल कनेक्शन विच्छेदित किए गए। इसी वॉर्ड में पुष्पा देवी/प्रताप सूर्यवंशी के यहां भी 53,349 रुपये बकाया टैक्स नहीं चुकाने पर एक नल कनेक्शन काटा गया। कार्रवाई के दबाव में वॉर्ड 28 के ही कृपाल सिंह ने मौके पर 14,872 रुपये टैक्स राशि जमा की। वहीं वॉर्ड नंबर 27 में सरस्वती त्रिपाठी ने नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई से बचने के लिए 23,497 रुपये का भुगतान किया। इसी वॉर्ड में संजय ताम्रकार ने भी 15,673 रुपये टैक्स राशि निगम में जमा की।

यूजीसी कानून के विरोध में ब्राह्मण समाज सौंपेगा ज्ञापन

दुर्ग। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज भिलाई-दुर्ग द्वारा यूजीसी कानून के विरोध में राष्ट्रपति के नाम 30 जनवरी को दुर्ग जिला प्रशासन कार्यालय में सुबह 11 बजे जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा जाएगा। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के महासचिव शशिकांत तिवारी ने समस्त सवर्ण समाज के बंधुओं से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इसे सफल बनाएं।

जगन्नाथ मंदिर में स्वाद, संगीत व संस्कृति का संगम

भिलाई। ग्रीन सिटी स्थित उत्कल सांस्कृतिक परिषद जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-6 परिसर में उत्कल सांस्कृतिक महिला मंडल ने पाक उत्सव मेला का आयोजन किया। मेले में विभिन्न प्रांतों से जुड़ी महिलाओं ने अपने-अपने हाथों से बनाए पारंपरिक अल्पाहार, व्यंजन और जलपान स्टॉल के माध्यम से प्रस्तुत किए। ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तर भारत सहित कई क्षेत्रों के स्वादिष्ट पकवानों ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। हर उम्र के लोगों ने व्यंजनों का स्वाद लिया। मंच पर पारंपरिक और आधुनिक नृत्य, संगीत और समूह प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी दर्शक तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। यह आयोजन ने गणतंत्र दिवस के पावन अवसर को और भी खास बना दिया।

तामझाम के कारण रोके गए थे अविमुक्तेश्वरानंद, मामले को गलत मोड़ दिया गया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग में शंकराचार्य निश्चलानंद ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद स्नान करने से नहीं बल्कि तामझाम के कारण रोके गए। शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद हिंदू राष्ट्र अभियान के तीसरे चरण के तहत दुर्ग आए हैं। इस दौरान स्वामी निश्चलानंद ने गोवर्धन मठ, पुरी के पीठाधीश्वर शंकराचार्य को लेकर कहा कि स्नान के लिए नहीं रोका गया था, बल्कि तामझाम और अव्यवस्था के कारण उन्हें रोका गया।

स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि मामले को गलत तरीके से पेश किया गया। हिंदू राष्ट्र का विचार किसी के विरोध में नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को मजबूत करने के लिए है। सनातन

धर्म दुनिया को शांति, सह-अस्तित्व और नैतिक मूल्यों का रास्ता दिखाता है।

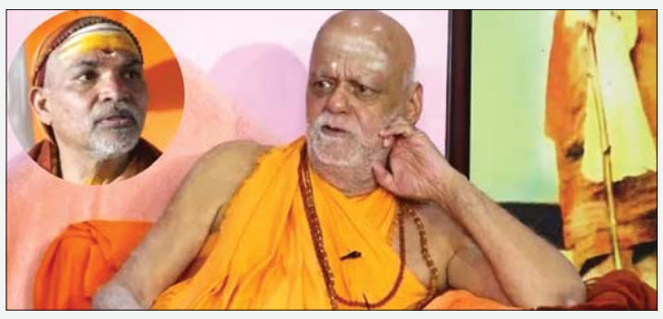

उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र अभियान के तीसरे चरण के तहत दुर्ग आए हैं। वे यहां भक्तों से मिलेंगे और आध्यात्मिक ज्ञान पर प्रवचन देंगे। यह कार्यक्रम दुर्ग जिले के अंडा गांव में आयोजित किया जा रहा है।

बता दें कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वह काशी के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए ही विदा ले रहे हैं। इस दुख की भरपाई पता नहीं कौन सा नेता आएगा कौन सी पार्टी आएगी जो करेगी। प्रयागराज हमेशा से आस्था और शांति की धरती रही है।

कोलर ने अपने नाम किया सेल-बीएसपी रावघाट क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की रावघाट लौह अयस्क खदान परियोजना द्वारा आयोजित आठ दिवसीय रावघाट क्रिकेट प्रतियोगिता सेल रावघाट प्रीमियर लीग का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 27 जनवरी को कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (रावघाट) अनुपम बिष्ट उपस्थित रहे। यह आयोजन क्षेत्रीय युवाओं में खेल भावना के विकास, आपसी सद्भाव को प्रोत्साहित करने तथा सामाजिक सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारम्भ 20 जनवरी 2026 को उप महाप्रबंधक (रावघाट) डीएन रस्तोगी एवं सहायक महाप्रबंधक (रावघाट) सचिन रंगारी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री योगेश वर्मा एवं श्री वागेश तिवारी की भी विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों की भागीदारी रही। अंतिम मुकाबले में पालकी टीम द्वारा निर्धारित 96 रनों के लक्ष्य को कोलर टीम ने अपने शानदार बल्लेबाजी के दम पर प्राप्त कर प्रतियोगिता में विजेता का स्थान अर्जित किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि अरुण कुमार द्वारा प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों एवं खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान विजेता कोलर टीम, उपविजेता पालकी टीम तथा तृतीय स्थान प्राप्त बैहासाल्हेभाट टीम को क्रमशः 51,000 रूपये, 31,000 रूपये एवं 21,000 रूपये की पुरस्कार राशि सहित ट्रॉफी प्रदान की गई। साथ ही मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज सहित अन्य व्यक्तिगत पुरस्कारों के माध्यम से खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द सीरीज को 5,000 रूपये एवं ट्रॉफी, मैन ऑफ द मैच को 3,000 रूपये एवं ट्रॉफी, बेस्ट बैट्समैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर ऑफ द सीरीज तथा बेस्ट ऑल-राउंडर ऑफ द सीरीज को क्रमशः 3,000 रूपये की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस आयोजन सचिन रंगारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें रामसनेही यदु, मोरध्वज सिंह एवं अजय कुमार यदु ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। खिलाड़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु दंडकवन रावघाट स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. ओमप्रकाश टंडन एवं उनकी पैरामेडिकल टीम ने अपनी चिकित्सकीय सेवाएं दीं।

उल्लेखनीय हैं कि प्रबंधन द्वारा कांकेर व नारायणपुर जिले की 17 पंचायतों की 24 टीमों के 312 खिलाड़ियों को स्थानीय खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु पूर्ण क्रिकेट किट उपलब्ध कराई गई। साथ ही आयोजन स्थल पर लगाए गए सेल्फी जोन दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे।

समापन पर आयोजित सामूहिक भोज में क्षेत्र के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, खिलाड़ियों तथा माइंस प्रबंधन के अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के माध्यम से खेल भावना के साथ सामाजिक सौहार्द एवं सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया गया। आयोजन में श्रीमती दंतेश्वरी वट्टी, राकेश कावडे (जनपद सदस्य), स्थानीय गायता प्रमुखों (मेहतूराम दर्रो, लखमू नूरेटी, मनसू राम उसेंडी), क्षेत्र के सरपंचों तथा श्रमिक समितियों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

60 वार्डों में हटायी जाएंगी नालियों से होकर गुजरने वाली पाइपलाइनें

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में पेयजल आपूर्ति सुचारू करने व जनता को शुद्ध पानी देने लगातार प्रयास जारी है और आवश्यकतानुसार ठोस कदम भी उठाए जा रहे है इसी क्रम में आज जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन कि अध्यक्षता में विभागीय समिति के सदस्यों की बैठक आहुति की गई। शहर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइन को हटाने की दिशा में बड़ी पहल करते हुए ऐसे क्षेत्र के पाईप लाईन को चिन्हांकित कर उसे हटाने ठोस प्रस्ताव बनाकर महापौर परिषद के जरिए शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

इस संबंध में लीना दिनेश देवांगन प्रभारी जलकार्य समिति बताया कि इसके लिए पार्षदों व नागरिकों के सहयोग से विस्तृत जानकारी लेकर ही ठोस प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा शहर के कई वार्डों में पाइपलाइन के नालियों से गुजरने के कारण जलभराव, गंदगी, पाइपलाइन क्षति एवं दुर्घटना की संभावनाएं बनी रहती हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए पाइपलाइन को हटाने अथवा वैकल्पिक सुरक्षित व्यवस्था करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

आयोजित विभागीय समिति की बैठक में शहर की जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर क्षेत्र के 60 वार्डों में नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइन को हटाने हेतु राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

बैठक में गंजपारा पानी टंकी की सुरक्षा, टैंकर चालकों की मांग, पन्ना डेयरी के पास मोटर पंप बदलने, कुष्ठ आश्रम एवं शिवनगर क्षेत्र में बोरिंग पर चर्चा की गई।

स्लैग निपटान के लिए वैकल्पिक डिस्पोजल मार्ग प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के केंद्रीय यांत्रिकी संगठन द्वारा निर्मित ब्लास्ट फर्नेस में वैकल्पिक स्लैग डिस्पोसल मार्ग का उद्घाटन 28 जनवरी को कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार द्वारा किया गया। ब्लास्ट फर्नेस जंक्शन-4 क्षेत्र में स्थित इस वैकल्पिक स्लैग डिस्पोसल मार्ग प्रारंभ होने से स्लैग निपटान प्रक्रिया में निरंतरता एवं परिचालन सुगमता सुनिश्चित होगी।

इस महत्वपूर्ण योजना की परिकल्पना एवं रूपरेखा मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रमोद कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) मनोज कुमार द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई।

कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार के मार्गदर्शन में एवं मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रमोद कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय यांत्रिकी संगठन द्वारा ब्लास्ट फर्नेस में वैकल्पिक स्लैग डिस्पोसल मार्ग का निर्माण संयंत्र के आंतरिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए किया गया, जिससे लागत में उल्लेखनीय बचत हुई। इस कार्य के निष्पादन में ब्लास्ट फर्नेस (मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल), टी एंड डी, एमआरडी, स्टील स्ट्रक्चरल शॉप, ईडीडी, प्लांट गैरेज, सीएमएम, सीईडी सहित संयंत्र के विभिन्न विभागों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

यह वैकल्पिक स्लैग डिस्पोसल मार्ग जे-5, सी-1 एवं सी-2 स्लैग गैलरी के रखरखाव एवं मरम्मत कार्य को सुगम बनाने के साथ-साथ ब्लास्ट फर्नेस के जंक्शन-4 से स्लैग डिस्पोसल प्रक्रिया को निर्बाध बनाए रखने की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक था। वैकल्पिक स्लैग डिस्पोसल मार्ग के निर्माण से जंक्शन-4 के माध्यम से स्लैग निपटान की प्रक्रिया में निरंतरता सुनिश्चित हुई है जिससे ब्लास्ट फर्नेस के प्रचालन को बिना किसी बाधा के बनाए रखा जा सकेगा।

कार्यक्रम में सीजीएम प्रभारी (लौह) तापस दासगुप्ता, सीजीएम (ब्लास्ट फर्नेसेस) मनोज कुमार, सीजीएम (संविदा विभाग-संकार्य) इन्द्रजीत सेनगुप्ता, सीजीएम (एमआरडी) एच के सचदेव, सीजीएम (मार्केटिंग) पी सुब्बाराव सहित केंद्रीय यांत्रिकी संगठन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'थैंक-यू भिलाई' का आयोजन 2 फरवरी को

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शपथ फाउंडेशन द्वारा बहुप्रतीक्षित 'थैंक्यू भिलाई' आयोजन आगामी 2 फरवरी (सोमवार) को शाम 4 बजे से पायनियर मॉन्यूमेंट, सिविक सेंटर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन लगातार आठवें वर्ष किया जा रहा है।

2 फरवरी 1955 को भारत और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते के परिणामस्वरूप भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना हुई, जिससे भिलाई शहर का अस्तित्व और उसकी विशिष्ट संस्कृति विकसित हुई। इस ऐतिहासिक दिवस की वर्षगांठ को अपने शहर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से हर वर्ष 'थैंक्यू भिलाई' का आयोजन किया जाता है।

शुरुआत इस वर्ष भी सद्भावना दौड़ से होगी, जिसमें हर आयु वर्ग के भिलाईवासियों की सहभागिता रहेगी। इसके पश्चात भिलाई में जन्मे-पले और अपने कार्यों से शहर का नाम रोशन करने वाली विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति में गुब्बारे उड़ाकर औपचारिक रूप से 'थैंक्यू भिलाई' कहा जाएगा।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 9 विशिष्ट व्यक्तियों को 'नवरत्न सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही शहर के विकास और सामाजिक सेवा में सक्रिय संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा तथा कुछ प्रमुख संगठनों व प्रतिनिधियों को विशिष्ट सेवा सम्मान भी प्रदान किया जाएगा। आयोजन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इस वर्ष से 'थैंक्यू भिलाई' आयोजन में हैरिटेज टॉक की विशेष शुरुआत की जा रही है। इस सत्र में भिलाई के इतिहास, संस्कृति, इस्पात संयंत्र, पायनियर मॉन्यूमेंट और शहर से जुड़ी महत्वपूर्ण धरोहरों पर आधारित प्रश्न-उत्तर आयोजित किए जाएंगे। इन प्रश्नों के सही और प्रभावशाली उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मंच पर ही तत्काल सम्मानित किया जाएगा, साथ ही उन्हें पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। यह सत्र भिलाई की विरासत को जानने-समझने और उससे भावनात्मक रूप से जुड़ने का एक अनूठा अवसर होगा।

कई सवालों के जवाब ढूंढकर लाती है प्राणी प्रोटेक्शन फाउंडेशन की प्रदर्शनी

दूध के साथ ही भारत बीफ का भी बड़ा निर्यातक क्यों?

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। युवाओं के नेतृत्व वाले पशु अधिकार संगठन 'प्राणी प्रोटेक्शन फाउंडेशन' ने नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर के सामने प्रदर्शनी लगाकर भारत में दूध और बीफ के बीच के गहरे संबंध की ओर जनता का ध्यान आकर्षित किया। देश के एक दर्जन से अधिक शहरों में सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर, संगठन ने एक प्रभावशाली और डेटा-आधारित सार्वजनिक प्रदर्शनी लगाई और लोगों से इस विषय पर विचार करने का आह्वान किया।

भारत सरकार और वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, भारत जहाँ दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है (सालाना 230 मिलियन टन से अधिक उत्पादन), वहीं यह बीफ के शीर्ष वैश्विक निर्यातकों में भी शामिल है, जो हर साल 1.3 मिलियन टन से अधिक मांस का निर्यात करता है। जिस डेयरी उद्योग से हमारे

दैनिक उपभोग का दूध आता है, वही भारत की बीफ सप्लाई चेन को भी संचालित करता है। जो पशु अब लाभकारी नहीं रह जाते, उन्हें आगे बेच दिया जाता है, जहाँ वे नियमित सहित मांस अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन जाते हैं।

दूध भारतीय जीवन का अभिन्न अंग है और पोषण व ग्रामीण आजीविका से गहराई से जुड़ा है। लेकिन डेयरी उद्योग का वह पहलू कम दिखाई देता है जिसमें जानवरों को बार-बार प्रजनन के लिए मजबूर किया जाता है, जन्म के तुरंत बाद बछड़ों को उनकी माँ से अलग कर दिया जाता है, और जब दूध का उत्पादन कम हो जाता है, तो उन्हें बेच दिया जाता है, लावारिस छोड़ दिया जाता है या कत्ल के लिए भेज दिया जाता है। यह कोई अपवाद नहीं बल्कि इस उद्योग का सामान्य नियम है।

शहरी क्षेत्रों में, घरों, बाजारों और हाईवे के पास लावारिस छोड़ी गई गायें और बैल अब आम दृश्य बन गए हैं। इनमें से अधिकांश जानवर पास की डेयरियों से ही आते हैं। पलक राठौड़ बताते हैं कि ये जानवर सड़क पर संयोग से नहीं हैं; ये उस डेयरी उद्योग का परिणाम हैं जो भैंसों और गायों को 'इस्तेमाल करने के बाद उन्हें फेंकने योग्य 'वस्तु' समझ लेता है। दूध के साथ भारत का रिश्ता न तो दयालु है और न ही वध-मुक्त। फाउंडेशन की प्रांजलि शुक्ला ने कहा, छत्तीसगढ़ में भी, जहाँ भैंस वध अवैध है, कई जानवर अंततः बूचड़खानों में पहुँच जाते हैं। डेयरी उद्योग की वास्तविकता को समझने के लिए लोगों को यूट्यूब पर 'माँ का दूध' डॉक्यू मेंट्री देखनी चाहिए।

फरवरी में राजेन्द्र पार्क फिर होगा फूलों से गुलजार

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में पर्यावरण एवं उद्यानिकी समिति की बैठक आज समिति प्रभारी काशीराम कोसरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति सदस्यों की उपस्थिति में पर्यावरण संरक्षण, उद्यानों के विकास एवं विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजेन्द्र पार्क में माह फरवरी में फ्लावर शो आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। समिति प्रभारी कोसरे ने बताया कि निगम द्वारा पूर्व वर्षों में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी को नागरिकों का भरपूर समर्थन और सराहना मिली है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी भव्य फ्लावर शो आयोजित करने तथा प्रदर्शनी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को शामिल करने पर सहमति बनी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 587 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 7 एवं 8 सरोरा में 104 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 लालपुर में 112 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी टाटीबंद केंद्र क्रमांक 2 एवं 7 में 160 बच्चों कि ट्रेनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा हायर सेकण्ड्री स्कूल टंडवा में 211 बच्चों की स्क्रीन की पूरे जिले में आज कुल 587 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

विस का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होने के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विस का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होने का आसार है इसके लिए राज्यपाल द्वारा शीघ्र ही अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इस सत्र में कुल 18 बैठकें होंगी। इस दौरान राज्य शासन का बजट भी पेश किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार विस सचिवालय द्वारा बजट सत्र 23 फरवरी से लेकर 25 मार्च तक बुलाए जाने का प्रस्ताव शासन के माध्यम से राज्यपाल के पास भेज दिया है। जिसकी अधिसूचना आज शाम तक जारी हो जाएगी। बजट सत्र में राज्य शासन का बजट भी पेश किया जाएगा जिसमें वर्ष 26-27 का बजट पेश किया जाएगा यह पेश सवा लाख करोड़ का बनाया जा रहा है जिसमें राज्य की कई योजनाओं को मंजूरी मिलेगी। विस की अधिसूचना जारी होने के पश्चात कई प्रश्न ध्यानाकर्षण एवं स्थगन प्रस्ताव लाए जाएंगे। विपक्ष के द्वारासरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी जिसमें गिरती कानून व्यवस्था धान खरीदी तथा खनिज माफिया रेत माफिया के विरुद्ध आवाज उठाई जाएगी।

जिले में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

जशपुरनगर। जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सामूहिक दवा सेवन गतिविधि का आयोजन किया जायेगा। फाइलेरिया के रोकथाम एवं जागरूकता के लिए इस गतिविधि के जरिये 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम जिले के सभी 8 विकासखंडों में विशेष रूप से चलाया जायेगा। इसके तहत बूथ लगाकर, घर-घर भ्रमण, मॉप-अप राउंड एवं एमडीए कॉर्नर गतिविधि कर दवाईयों का वितरण किया जायेगा। इसके तहत फाइलेरियारोधी इवरमेक्टिन डीईसी की गोली और कृमि नाशक अल्बेंडाजोल की गोली 2 वर्षों से अधिक उम्र के बच्चों और बड़ों को सेवन कराया जायेगा। कलेक्टर रोहित व्यास ने जिला समन्वय समिति की बैठक में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समन्वय कर कार्यक्रम को सक्रियतापूर्वक क्रियान्वित करने के निर्देश दिये है। साथ ही आवश्यक संख्या में अधिकारी - कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर गंभीरतापूर्वक विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के निर्देश दिये है।

बायोफ्लॉक तकनीक से समृद्ध हो रहे किसान कैलाश पैकरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की किसान-हितैषी योजनाएं एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आय में वृद्धि नये अवसर सुलभ हो रहे हैं। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम माजा निवासी कैलाश पैकरा इसके उदाहरण हैं, जिन्होंने बायोफ्लॉक तकनीक को अपनाकर खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

कैलाश पैकरा पारंपरिक रूप से धान की खेती करते थे, किंतु अधिक आय के उद्देश्य से उन्होंने मत्स्य विभाग से संपर्क कर शासन की बायोफ्लॉक योजना का लाभ लिया। इस योजना के अंतर्गत उन्होंने लगभग 14 लाख रुपये की लागत से मत्स्य पालन की शुरूआत की, जिसमें उन्हें 8.40 लाख रुपये का अनुदान मिला। उन्होंने अपने 32म32 डिसमिल क्षेत्र में आधुनिक तालाब एवं बायोफ्लॉक सिस्टम विकसित किया।

बायोफ्लॉक तकनीक में कम पानी और सीमित स्थान में अधिक मत्स्य उत्पादन होता है। वर्तमान में उनके फार्म में लगभग 10 हजार मछलियां हैं, जिनमें करीब 7 हजार तिलपिया के अतिरिक्त रोहू, कतला, मृगल एवं रूपचंद जैसी प्रजातियां शामिल हैं। प्राकृतिक प्रजनन के कारण उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे उन्हें वर्षभर नियमित आय प्राप्त हो रही है। श्री पैकरा ने बताया कि मछलियों के विपणन के लिए उन्हें बाजार जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, व्यापारी स्वयं फार्म पर पहुंचकर मछलियां खरीद लेते हैं। थोक में 150 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तथा फुटकर में 150 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक मूल्य प्राप्त हो रहा है। कैलाश पैकरा ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।

तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 1 से 3 फरवरी तक

छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं के साथ देश की शास्त्रीय, सूफी और आधुनिक संगीत विधाओं की होंगी मनमोहक प्रस्तुतिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। प्रदेश के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर स्थल सिरपुर में 1, 2 और 3 फरवरी को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव में छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं के साथ-साथ देश की शास्त्रीय, सूफी और आधुनिक संगीत विधाओं की मनमोहक प्रस्तुतियाँ होंगी। प्रथम दिवस 1 फरवरी 2026 को महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर दोपहर 12 बजे से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। जिसमें फुलझरिया कर्मा पार्टी, बिलासपुर द्वारा कर्मा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच राजनांदगांव की लोक कला की झलक दिखेगी। दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक सिरपुर महोत्सव 2026 का उद्घाटन समारोह आयोजित होगा। तत्पश्चात दोपहर 3:30 बजे से 4:10 बजे तक इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के कलाकारों द्वारा कत्थक एवं लोक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसी प्रकार शाम 4:10 बजे से 4:20 बजे तक सुसुरेखा कामले एंड ग्रुप द्वारा ध्रुपत की प्रस्तुति, शाम 4:20 बजे से 4:30 बजे तक प्रो. डॉ. लवली शर्मा द्वारा सितार वादन की शास्त्रीय प्रस्तुतिँ होंगी। शाम 4:30 बजे से 4:40 बजे तक निदेशक, संरक्षण एवं विकास बौद्ध कला एवं सांस्कृतिक समाज मध्य भारत, नागपुर द्वारा तथागत नाटक, शाम 4:40 बजे से 4:50 बजे तक इंदिरा कला संगीत विद्यालय खैरागढ़ द्वारा ओडिसी नृत्य, शाम 4:50 से 5:00 बजे तक हिमानी वासनिक राजनांदगांव द्वारा भरथरी की प्रस्तुति होगी। वहीं शाम 5 बजे से रात्रि 7 बजे तक सुनील तिवारी लोक कला मंच, रायपुर का रंग-झांझर कार्यक्रम दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगा। रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक प्रसिद्ध लोक-भक्ति गायक बाबा हंसराज रघुवंशी एवं उनकी बैंड टीम, दिल्ली की विशेष प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी।

द्वितीय दिवस 2 फरवरी को सायं 4 बजे से 4:40 बजे तक इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा क्लासिकल वोकल, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट, तबला वादन एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियाँ होंगी। इसके पश्चात शाम 4:40 बजे से 4:50 तक सूफी स्पिरिचुअल म्यूजिक, शाम 4:50 बजे से 5:00 बजे तक कबीर संगीत संध्या की प्रस्तुति होगी। शाम 5:00 बजे 5:15 बजे तक संरक्षण एवं विकास बौद्ध कला एवं सांस्कृतिक समाज मध्य भारत, नागपुर द्वारा थेरीगाथा नाट्य प्रस्तुति एवं शाम 5:15 बजे से 5:30 बजे तक भरतनाट्यम नृत्य का आयोजन किया जाएगा। शाम 5:30 बजे से 7 बजे तक पुष्पा साहू, भिलाई द्वारा नवा किस्मत लोक कला मंच की प्रस्तुति होगी। रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक इंडियन आइडल फेम 10 के नितिन कुमार, इंडियन आइडल फेम 12 के नचिकेत लेले एवं वैशाली रायकवार अपनी गायन प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

तृतीय दिवस 3 फरवरी समापन दिवस पर दोपहर 2 बजे से बजे तक इशिका गिरी रायपुर द्वारा कत्थक की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी प्रकार 2:10 बजे से भूमिसुता मिश्रा रायपुर द्वारा ओडिसी नृत्य, 2:20 बजे से कुमारी आसना दिल्लीवार दुर्ग द्वारा कत्थक नृत्य, दोपहर 2:30 बजे से राजनंदिनी पटनायक पिथौरा द्वारा ओडिसी नृत्य, 2:35 बजे से गीतिका चक्रधर रायपुर द्वारा कत्थक नृत्य, दोपहर 2:45 बजे से आंचल पाण्डेय बिलासपुर द्वारा ओडिसी एकल, दोपहर 3:00 बजे से नवा बिहान लोक कला मंच पिलवापाली बसना द्वारा पंथी नृत्य, दोपहर 3:15 बजे से एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के छात्रों द्वारा बस्तरिहा नाच, दोपहर 3:30 बजे से नानगांव बोहधन एवं साध्वी सेवा मगरपाली द्वारा डंडा नृत्य, दोपहर 3:45 बजे से छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच कन्हारपुरी द्वारा सोला सिंगार लोक प्रस्तुतियाँ एवं शाम 4:15 बजे से 4:30 बजे तक किशोर हम्पीहोली, स्वर संगम सांस्कृतिक मंच नागपुर द्वारा अम्रपाली नृत्य नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम 4:30 बजे से 5:30 बजे तक सिरपुर महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके पश्चात सावित्री कहार लोक कला मंच रायपुर द्वारा लोक साधना की प्रस्तुति होगी।

उप स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभः 3605 ग्रामीणों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत बीजापुर जिले के ग्राम पालनार में आज उप स्वास्थ्य केंद्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस उप स्वास्थ्य केंद्र के प्रारंभ होने से पालनार सहित आसपास के सांवनार, तोड़का, कोरचोली एवं नेंड्रा गाँवों के लगभग 3605 ग्रामीणों को घर के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

बीजापुर जिले का यह क्षेत्र अत्यंत नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम होने के कारण अब तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रहा है। ग्रामीणों को इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, जिससे समय, धन और स्वास्थ्य—तीनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा लगातार मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं आवश्यक अधोसंरचना निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। नव-स्थापित उप स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया, डायरिया जैसी सामान्य बीमारियों का उपचार, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच एवं देखभाल, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा निशुल्क दवाइयों का वितरण किया जाएगा। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तैनात स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे समय पर जांच और परामर्श सुनिश्चित हो सके।

शुभारंभ अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू पोटाम, उपाध्यक्ष दिनेश पुजारी, वरिष्ठ नागरिक घासीराम नाग, संजय लुंकड़, एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कौशल, सीएमएचओ डॉ. बी. आर. पुजारी, तहसीलदार गंगालूर बी. के. डहरिया, एसी सीआरपीएफ कोरचोली, डीपीएम बीजापुर वरुण साहू, कल्पना रथ (सीडीपीओ), बीएमओ डॉ. विकास गवेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही।

श्री रामलला योजना से साकार हुआ दंपती का वर्षों पुराना सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

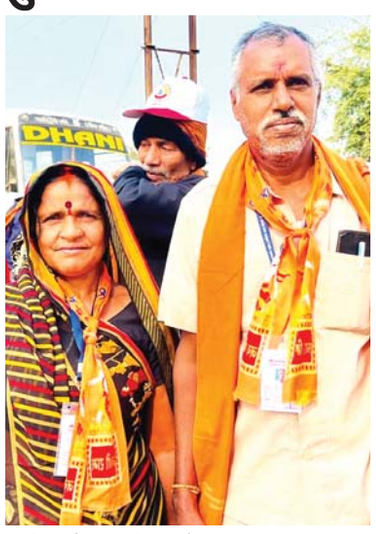

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना आम नागरिकों की वर्षों पुरानी अभिलाषा को पूरा करने का माध्यम बन रही है। कबीरधाम जिले के ग्राम बबई निवासी डोमन साहू ने बताया कि प्रभु श्री राम के दर्शन की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी, किंतु आर्थिक एवं पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अयोध्या जाना संभव नहीं हो पा रहा था। प्रभु श्रीराम की कृपा और छत्तीसगढ़ सरकार की सहयोग से उन्हें अपनी पत्नी पार्वती साहू के साथ अयोध्या धाम की यात्रा और रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला, जिसके चलते उनकी वर्षों की इच्छा पूरी हो गई। इस दौरान काशी विश्वनाथ के दर्शन का भी सौभाग्य मिला।

कबीरधाम जिले से कुल 71 श्रद्धालु इस पावन यात्रा पर रवाना हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क बस द्वारा कवर्धा से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक परिवहन की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात विशेष ट्रेन से काशी एवं अयोध्या धाम ले जाया गया। यात्रा के दौरान भोजन, नाश्ता, चाय एवं स्वास्थ्य सुविधा हेतु चिकित्सकों की व्यवस्था भी की गई। श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के दर्शन कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। छत्तीसगढ़ सरकार की यह योजना श्रद्धालुओं के लिए आस्था, सुविधा एवं सम्मान का प्रतीक बन गई है।

राष्ट्रीय जनजाति आयोग जनजातीय समुदायों का करती है संरक्षण और संवर्धनः डॉ. आशा लकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने राजनाधी रायपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि आयोग जनजातीय समुदायों का संरक्षण और संवर्धन करती है। आयोग के प्रतिनिधिगण देशभर में राज्य, जिला, ब्लॉक और गांव स्तरीय पर जाकर वहां जनजातीय समुदायों से मिल रहे हैं, उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं तथा त्वरित गति से समाधान के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में इन समुदायों की समस्याओं और आवश्यकताओं के संबंध में राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को अवगत भी कराया जा रहा है।

आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार जनजातियों के हित में सराहनीय कार्य कर रही है, उनके नेतृत्व में केन्द्र तथा राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, परंपरा के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम जनमन योजना, धरती आबा, ग्रामीण उत्कर्ष अभियान आदि के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आज भिलाई स्थित ट्रिपल आईटी और रायपुर के एनआईटी कैंपस का दौरा किया और दोनों संस्थानों के निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी, प्रोफेसरों से समीक्षा बैठक हुई ।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और से चर्चा हुई। विद्यार्थियों ने चर्चा के दौरान बताया कि वे बस्तर और सरगुजा संभाग के दूरस्थ अंचलों से आकर इन संस्थानों के माध्यम से राज्य और केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मिलकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपरा तथा खान-पान को भी सहेजने का काम करें।

राष्ट्रीय जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. लकड़ा ने कहा कि प्रदेश में ऐसे जनजातीय समुदाय जिन्होंने किसी कारखानों, संस्थानों, उद्योगों के लिए अपना जमीन दिया है उन्हें क्या लाभ हो रहा है, इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है, वहीं स्थापित उद्योगों, संस्थानों में चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्तियों की भी समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार जनजातीय क्षेत्रों के संरक्षण के लिए एफआरए कानून लाया है, इसके तहत इन वर्गों को किस तरह से लाभ मिल सकेगा इस हेतु समीक्षा भी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पेशा कानून के तहत 5वीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले नियमों के पालन की भी जानकारी ली जा रही है। डॉ. लकड़ा ने बताया कि वे कोंडागांव, बस्तर, जगदलपुर और एनएमडीसी का भी दौरा करेंगे और जनजातीय समुदायों को मिल रहे सुविधाओं और लाभों की समीक्षा की जाएगी।

एनआईटी रायपुर में व्याख्यान सत्र का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) अध्ययन मंडल द्वारा 27 जनवरी 2026 को व्याख्यान-चर्चा सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य भारत की ज्ञान परंपरा में निहित वास्तुकला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के मूल सिद्धांतों को समझना तथा उनकी आधुनिक संदर्भों में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना था। सत्र के मुख्य अतिथि व वक्ता अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, शशांक शर्मा रहे 7 इस दौरान निदेशक, एनआईटी रायपुर, डॉ. एन. वी. रमना राव, चिंतक तथा पत्रकार, संजय तिवारी, फैकल्टी मेंबर्स, और विद्यार्थी मौजूद रहे 7 इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. तोषन मीनपाल, अध्यक्ष, भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र, एनआईटी रायपुर, तथा डॉ. चन्दन कुमार सिंह, समन्वयक, आईकेएस अध्ययन मंडल, एनआईटी रायपुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् से की गई। इसके पश्चात डॉ. राव ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय दर्शन जीवन के सभी पहलुओं को संतुलित और समग्र दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय दार्शनिक मूल्य नैतिक और सामाजिक जीवन को दिशा देते हैं। संजय तिवारी ने अपने संबोधन में देशभक्ति गीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति की गहराई को रेखांकित करते हुए कहा कि शून्य का ज्ञान देने वाला भारत वही राष्ट्र है, जिसके विचारों के पीछे पूरा विश्व चला। संजय तिवारी ने कहा कि भारत में कुछ विशेष था, इसी कारण विदेशी शक्तियाँ यहाँ आकर्षित हुईं, और इसलिए हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए।

मुख्य वक्ता शशांक शर्मा ने अपने संबोधन में भारतीय इतिहास, उपनिषदों तथा ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में सहस्त्रों वर्षों तक विदेशी शासन का गुलाम रहा , जिससे हमारी प्राचीन ज्ञान और सभ्यता विलुप्ति के कगार पर आ गई। उन्होंने उदाहरण के रूप में अरस्तू और बेंजामिन फ्रैंकलिन का उल्लेख किया। शशांक शर्मा ने युवाओं से कहा कि उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन ग्रंथों और सांस्कृतिक विरासत का अध्ययन करना चाहिए, ताकि वे इसकी गहराई और महत्व को समझ सकें और आने वाले समय में 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने राइट ब्रदर्स के विमान निर्माण की अवधारणा के बारे में बात करते हुए कहा कि विमान निर्माण राईट ब्रदर्स के पहले शिवाजी भाऊ तलपडे और उनके भाई द्वारा किया गया था, क्युकी हमारे बहुत से शास्त्रों में विमान निर्माण से समबन्धित साक्ष्य मिलते है , जिनका प्रयोग कर तलपडे बंधुओं से सबसे पहले विमान उड़ाया था।

उन्होंने ने औपनिवेशिक मानसिकता पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत हजार वर्षों की गुलामी से बाहर निकल चुका है, लेकिन मानसिक गुलामी अभी भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने यूरोपीय शिक्षा प्रणाली, 1854 की शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान को विकृत रूप में प्रस्तुत किए जाने की आलोचना की।

हिंद स्वराज सहित कई पुस्तकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता को समझे बिना उसे यूरोपीय दृष्टि से परखना अनुचित है। उन्होंने आर्य समाज, स्वामी दयानंद सरस्वती और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की भूमिका को भी रेखांकित किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय स्थापत्य, विज्ञान और तकनीकी ज्ञान के उदाहरण देते हुए कोणार्क सूर्य मंदिर, तंजावुर मंदिर, कैलाश मंदिर एलोरा, रानी की वाव और प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला, वायु संचार व्यवस्था तथा भूकंपरोधी संरचनाओं का उल्लेख किया।

एक्टिंग पहला प्यार तो खाना दूसरा मास्टरशेफ में करिश्मा ने कपूर खानदान के खोले राज

कपूर खानदान अपनी पार्टियों और खाने-पीने के किस्सों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहता है। अक्सर इस परिवार का कोई न कोई सदस्य मजेदार किस्से ताजा करता रहता है। अब खाने की बात चल रही है तो मास्टरशेफ इंडिया भी पीछे कैसे रह सकता है? कपूर परिवार की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर मास्टरशेफ इंडिया में स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आईं। इस खास एपिसोड में करिश्मा ने बताया कि उनके परिवार में खाना सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि प्यार, पुरानी यादों और परिवार के साथ बिताए पलों का प्रतीक रहा है।

इस एपिसोड में कपूर खानदान की पसंदीदा क्लासिक इंडियन डिशेज को सेलिब्रेट किया गया। कंटेस्टेंट्स को चुनौती दी गई कि वे कपूर परिवार की विरासत वाली इन डिशेज की असली आत्मा को बनाए रखते हुए ओरिजिनल फ्लेवर के साथ मास्टरशेफ लेवल की क्रिएटिव डिश तैयार करें।

वहीं, इसमें माहौल बनाते हुए शेफ रणवीर बरार कहते हैं, डिश की आत्मा, कपूर परिवार की विरासत, इन क्लासिक इंडियन डिशेज की ओरिजिनैलिटी को बचाते हुए एक मास्टरशेफ-लेवल की डिश बनानी है।

करिश्मा ने सिनेमा और खाने के लिए अपने प्यार को भी दर्शाया। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और दूसरा प्यार खाना है, क्योंकि यह बॉलीवुड के पॉपुलर कपूर खानदान की विरासत बांधते हुए आगे लेकर जा रही हैं।

इसी के साथ ही करिश्मा ने इमोशनल कनेक्शन के बारे में बताया, हमारे परिवार का खाना हमेशा प्यार, यादों और साथ में रहा है। मास्टरशेफ इंडिया किचन के साथ खाने के लिए अपने परिवार के प्यार को शेयर करना मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि ये जोड़ियां देश के हर कोने से अपनी कहानियां और फ्लेवर लेकर आ रही हैं, जिससे यह शो गर्व का सच्चा सेलिब्रेशन बन गया है। वे मिलकर पूरे देश में क्रिएटिविटी, इनोवेशन और कॉन्फिडेंस को इंस्पायर करती हैं। जब करिश्मा ने प्यार से बनी इन डिशेज का स्वाद चखा, तो उन्होंने कंटेस्टेंट्स की मेहनत और फ्लेवर की जमकर तारीफ की। भावुक होकर उन्होंने कहा, अगर राज कपूर, ऋषि, और रणबीर यहां होते, तो उन्हें भी बहुत पसंद आता।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी, कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग.....

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया।

अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं।

रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए।

उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।

करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई।

लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत; फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना की कहानी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरीना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रहीं। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं।

शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का जन्मदिन 27 जनवरी को था। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरीना का खिताब दिलाया।

शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी।

साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर माझे दी जट्टी, पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने आए। असली पहचान उन्हें गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया।

हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंची, जहां शहनाज ने खुद को पंजाब की कैटरीना कैफ कहकर सबका ध्यान खींचा। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्हें सपोर्ट किया। शहनाज शो की विनर तो नहीं बन पाईं, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतिभागियों में से एक बनीं।

बिग बॉस के बाद शहनाज का करियर चमका। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पजामा, वादा है, शोना शोना जैसे कई हिट म्यूजिक वीडियोज किए। उन्होंने बॉलीवुड में सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया और थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं।

फिलहाल शहनाज अपनी पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी इक कुड़ी से सुर्खियों में हैं, जिसे दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

'जो ताकत मोहब्बत में है, वो बारूद में कहां'- फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' का मोशन पोस्टर रिलीज,

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' ब्लॉकबस्टर रही थी। अब प्रोड्यूसर इसका सीक्वल लेकर आ रहे हैं, जिसका मोशन पोस्टर जारी किया गया है।

विपुल अमृतलाल शाह साल 2023 में फिल्म 'द केरल स्टोरी' लेकर आए थे। अब वे इसका सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड! लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। सीक्वल में एक और खौफनाक कहानी दर्शक देख पाएंगे। यह फिल्म इसी साल फरवरी में रिलीज होगी।

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' का मोशन पोस्टर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे देखकर लग रहा है कि सीक्वल में एक बार फिर दर्शक किसी दिल दहला देने वाली कहानी से रूबरू होंगे। इस फिल्म का टीजर 30 जनवरी को जारी किया जाएगा। फिलहाल, रिलीज हुए मोशन पोस्टर में कुछ युवतियों के चेहरे दिखाए हैं। दहशत और खौफउनके चेहरे पर साफनजर आ रहा है। माथे पर तिलक लगा है, जो धुल रहा है और इसी के साथ कई चोट के निशान हैं।

फिल्म 'द केरल स्टोरी' का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया था। वहीं, सीक्वल के निर्देशन की कमान कामाख्या नारायण सिंह ने संभाली है। 'द केरल स्टोरी 2' फिल्म, 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बार नए मुख्य कलाकारों को शामिल किया है। फिल्म में उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा नजर आएंगी।

खास खबर

भोरमदेव शक्कर कारखाना ने किसानों के खाते में 39.84 करोड़ रुपये किया हस्तांतरित

कवर्धा। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा गन्ना किसानों को 7.95 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। अब तक कारखाना किसानों को कुल 39.84 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है। यह राशि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से जारी की गई है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को लगातार भुगतान किया जा रहा है, जिससे सहकारी व्यवस्था पर किसानों का भरोसा और मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि नियमित भुगतान से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और साथ ही कारखाने का संचालन भी बेहतर तरीके से हो पा रहा है। पेराई और उत्पादन में लगातार प्रगति कारखाना प्रबंधन ने पेराई सत्र की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 1 लाख 96 हजार 10 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है। इससे 2 लाख 24 हजार 157 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से ग्राम घटमुण्डा में लौटी रोशनी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर विकासखंड कुनकुरी के ग्राम घटमुण्डा में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बाधित विद्युत आपूर्ति पुन: प्रारंभ हो गई है। बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को इससे बड़ी राहत मिली है। ग्रामवासियों ने त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। विकासखंड कुनकुरी के ग्राम घटमुण्डा के मोहम्मद गहरीउद्दीन के घर के समीप लगा ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली की आपूर्ति बाधित थी। इससे ग्रामवासियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की, जिसके तहत विद्युत विभाग द्वारा ग्राम घटमुण्डा में ट्रांसफार्मर बदल दिया गया। इससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं का तत्परता के साथ समाधान किया जाता है।

विद्युत विभाग द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर पेंटिंग प्रतियोगिता

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष 2025-26 के गौरवशाली अवसर पर एक विशेष ओपन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिले के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को ऊर्जा के महत्व और विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए खुली है, जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। प्रतिभागियों को पेंटिंग बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों का प्रबंध स्वयं करना होगा।

स्कूलों के 100 गज दायरे में तंबाकू बिक्री पर सख्ती

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला एमसीबी द्वारा तंबाकू नियंत्रण को लेकर सघन अभियान चलाया गया अभियान के तहत खड़गवां एवं गजमरवापारादृपौंडीडीह क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां, पीएम श्री एकलव्य स्कूल पोड़ीडीह, स्वामी आत्मानंद स्कूल खड़गवां तथा शासकीय बालक मिडिल स्कूल खड़गवां के 100 गज दायरे में संचालित किराना दुकानों, चाय ठेलों, पान दुकानों एवं गुमटियों की जांच की गई। जांच के दौरान तंबाकू युक्त पदार्थों की अवैध बिक्री पाए जाने पर कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के अंतर्गत 13 पान ठेलों, रेस्टोरेंट, किराना दुकानों, गुमटियों, होटल एवं चाय दुकानों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 2,900 रुपये का जुर्माना वसूला गया। आसपास तंबाकू, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां आज ढोल-मांदर की थाप बजती है-मंत्री कश्यप

जिला स्तरीय एक दिवसीय जनजातीय गौरव और परंपरा का पर्व बस्तर पंडुम' का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और जनजातीय अस्मिता को सहजने एवं संवारने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज माँ दंतेश्वरी मंदिर के पावन प्रांगण में जिला स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर की लोकसंस्कृति, पारंपरिक कला, नृत्य, संगीत एवं रीति-रिवाजों की जीवंत झलक देखने को मिली, जिसने उपस्थित जनसमूह को बस्तर की आत्मा से जोड़ दिया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आज बस्तर बदल रहा है, बस्तर की तस्वीर बदल रही है और देश-विदेश में बस्तर की एक नई पहचान बन रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां आज ढोल-मांदर की थाप बजती है।

जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के शुभारंभ अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत को सहेजना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत दंतेवाड़ा जिले से हुई है और उनके जीवन का आधा से अधिक समय यहीं बीता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध क्षेत्र है। माँ दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकाल, बारसूर, चित्रकूट और तीरथगढ़ जैसे अनेक प्रमुख पर्यटन स्थल बस्तर की पहचान हैं। श्री कश्यप ने कहा कि अब बस्तर से नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और यह क्षेत्र एक समृद्ध एवं विकसित बस्तर के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो जिले पहले अति संवेदनशील कहलाते थे, वे आज प्रधानमंत्री द्वारा घोषित आकांक्षी जिलों में शामिल हैं। उन्होंने युवा वर्ग से बस्तर के पारंपरिक गीत, संगीत जैसे ''आया माचो दंतेश्वरी'' और ''साय रेला'' जैसे पारंपरिक गीतों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में फॉलों कर प्रचार-प्रसार करने को आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के स्टॉलों का निरीक्षण कर पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। कार्यक्रम को विधायक चौतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी और कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने भी सम्बोधित किया।

कुआकोंडा पोटाकेबिन-2 के छात्रों के मलखंभ के प्रदर्शन ने लोगों का मन मोहा: सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति के क्रम में कुआकोंडा पोटाकेबिन-2 के छात्रों ने मलखंभ विधा में साहसिक करतब करते हुए लोगों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। अपनी फुर्ती और कलाबाजियों से मंत्रमुग्ध करते हुए छात्रों ने मलखंभ का अद्भुत प्रदर्शन किया।

इसके साथ ही ग्राम मोखपाल के नतक दलों ने पारंपरिक नृत्य तथा ग्राम मड़से के कलाकारों ने ठेठ ग्रामीण हाट बाजार के जनजीवन की जीवन्त प्रस्तुति दी। इसके अलावा जगदलपुर से आए बादल एकेडमी से आए कलाकारों की प्रस्तुतियां भी सराहनीय रही।

बस्तर पंडुमः बस्तर के बदलते स्वरूप को दर्शाती है

मंत्री कश्यप ने कहा कि बस्तर पंडुम के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। इस आयोजन में 12 विधाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने बस्तर की संस्कृति को सहज और जीवंत रखा है, और यह हम सभी का कर्तव्य है कि इस सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि पहले बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में जहाँ कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, आज वहाँ ढोल-मांदर की थाप सुनाई दे रही है, जो बस्तर के बदलते स्वरूप को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि हमें केवल किताबों तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि पूर्वजों से मिली संस्कृति को उसकी पहचान बनानी है।

लोकभवन रायपुर में 2 ब्रेल पुस्तकों एवं 3000 ऑडियो बुक्स का भव्य विमोचन

महासमुंद जिले के चार शिक्षक राज्यपाल के करकमलों से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में 27 जनवरी को रायपुर स्थित लोक भवन, सिविल लाइन में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़, माननीय रमेन डेका के करकमलों द्वारा दो महत्वपूर्ण ब्रेल पुस्तकों- दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी' एवं छत्तीसगढ़ के वीर का विधिवत विमोचन किया गया। इसी मंच से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए तैयार की गई 3000 से अधिक ऑडियो बुक्स का भी लोकार्पण किया गया, जो शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी पहल का सशक्त उदाहरण है।

इन ऑडियो बुक्स में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सभी विषयों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष प्लेलिस्ट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सरगुजिया कहानियां, छत्तीसगढ़ी एवं हिंदी में सामान्य ज्ञान, हल्बी, पंजाबी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में अलग-अलग प्लेलिस्ट, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगजनों हेतु सरकारी योजनाओं तथा सहायता संसाधनों से संबंधित उपयोगी सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। यह समस्त सामग्री वर्ल्ड ऑडियो बुक यूट्यूब चैनल पर एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल रमेन डेका ने इस अभिनव और मानवीय पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि 'जिस प्रकार आप सभी शिक्षकों ने सामान्य पुस्तकों को ब्रेल में अनुवादित कर तथा ऑडियो बुक्स के माध्यम से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वह वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी सोच का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह कार्य केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि संवेदनशील सामाजिक दायित्व का भी निर्वहन है। उन्होंने आगे कहा कि मैं अपने गृह राज्य असम में भी शिक्षकों को इस प्रकार की पहल करने के लिए प्रेरित करूंगा, ताकि वहां के दृष्टिबाधित बच्चों को भी इसी तरह सुलभ अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके। राज्यपाल महोदय ने यह भी बताया कि तैयार की गई इन ऑडियो बुक्स को गवर्नर टीम के माध्यम से अन्य राज्यों तक प्रेषित किया जाएगा, जिससे यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो सके और देशभर के दृष्टिबाधित विद्यार्थी इसका लाभ प्राप्त कर सकें। इस पुनीत और सेवा भाव से किए गए कार्य के लिए उन्होंने सभी शिक्षकों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस अभियान की प्रेरणा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका के. शारदा, दुर्ग को वर्ष 2024 में मिले सम्मान के पश्चात मिली। दृष्टिबाधित बच्चों के अध्ययन की वास्तविक आवश्यकता को समझते हुए उन्होंने 25 अक्टूबर 2024 से इस कार्य की शुरुआत की और स्वयं 800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कीं। बाद में विभिन्न जिलों के शिक्षकों के जुड़ने से यह संख्या बढ़कर 3100. तक पहुंच गई।

शिक्षिका के. शारदा एवं प्रीति शांडिल्य द्वारा पूर्व में संयुक्त रूप से ब्रेल पुस्तकें तैयार कर छत्तीसगढ़ के 20 ब्रेल विद्यालयों को 100-100 प्रतियां नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इस पुनीत कार्य में योगदान देने वाले शिक्षकों को राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इस ऑडियो बुक निर्माण अभियान में 30 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। जिनमे महासमुंद विकासखंड से सहा. शिक्षक बलराम नेताम, बागबाहरा विकासखंड से सहा. शिक्षक अमित कुमार उइके, दीपा महार एवं रिंकल बग्गा शामिल हैं। माननीय राज्यपाल महोदय ने इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय पहल बताया।

सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का भरतपुर में भव्य शुभारंभ

युवाओं ने दिखाई अपनी खेल प्रतिभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर के निर्देशानुसार आयोजित सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 प्रतियोगिता की श्रृंखला के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी विकासखंडों में तिथिवार खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज भरतपुर विकासखंड में सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 का भव्य, उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया। भरतपुर ब्लॉक में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया गया। शुभारंभ के पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ हुईं, जिनमें ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सरगुजा ओलम्पिक 2025-26 के अंतर्गत एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, खो-खो, वॉलीबॉल, तीरंदाजी सहित अनेक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताएं जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित की जा रही हैं, जिससे जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन एवं पहचान बनाने का सशक्त मंच प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम

के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं खेल अधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरगुजा ओलम्पिक ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखारने, खेल संस्कृति को मजबूत करने तथा युवाओं को सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रतियोगिता स्थल पर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में विशेष उत्साह एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती रवि शंकर सिंह, जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह, बेलाबाई, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष हीरा लाल मोर्य, सदस्य सुखलाल मरावी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सचिदा नंद साहू, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी अनिल पटेल एवं मण्डल संयोजक संजय पटेल सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

किसान कल्याण के लिए डिजिटल माध्यमों से नई रणनीतियां तैयारः दक्ष वैद्य साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी दक्ष वैद्य साहू ने आज क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल से सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात किसान मोर्चा की आगामी गतिविधियों को मजबूत बनाने तथा डिजिटल माध्यमों से किसानों तक पहुँचने की रणनीतियों पर केंद्रित रही इस महत्वपूर्ण बैठक में दक्ष वैद्य साहू ने अजय जामवाल से आशीर्वाद प्राप्त कर बताया कि किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए विविध गतिविधियों संचालित की जा रही है जैसे किसान सम्मेलन, फसल बीमा जागरूकता अभियान, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नीतिगत पहल और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान हेल्पलाइन—पर विस्तृत चर्चा की।

संगठन महामंत्री जामवाल ने दक्ष वैद्य साहू की सोशल मीडिया के क्षेत्र में सक्रियता की सराहना करते हुए कहा, किसान मोर्चा का सोशल मीडिया विंग किसानों की आवाज को सीधे केंद्र तक पहुँचाने का शक्तिशाली माध्यम है। दक्ष वैद्य साहू जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं के योगदान से हम छत्तीसगढ़ के किसानों को मोदी सरकार की योजनाओं—जैसे पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान—का अधिक लाभ पहुँचा सकेंगे। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने दक्ष वैद्य साहू को किसान मोर्चा के कार्यों में और अधिक उत्साह के साथ योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने विशेष रूप से युवा किसानों को जोडने, स्थानीय स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित करने तथा सोशल मीडिया के जरिए फर्जी खबरों का प्रतिकार करने पर जोर दिया। दक्ष वैद्य साहू ने इस भेंट को अपने राजनीतिक सफर का एक सार्थक पड़ाव बताते हुए कहा, अजय जामवाल के अनुभवी मार्गदर्शन से मैं किसान मोर्चा के लक्ष्यों को नई ऊँचाइयों तक ले जाऊँगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की राज्य स्तरीय बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केन्द्रीय योजनाओं के प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए गठित राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2025-26 में केन्द्रीय योजनाओं की वार्षिक कार्ययोजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

इसी प्रकार वर्ष 2026-27 में योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में केन्द्रीय योजनाओं के प्रस्तावित वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कृषि क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि दर बढ़ाना, किसानों की आय में वृद्धि, जैविक खेती और मृदा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की योजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में विविध योजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश में केन्द्रीय योजनाओं के लिए प्रस्तावित वार्षिक कार्ययोजना के बारे में विस्तार से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य में किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए मिट्टी एवं उपयुक्त फसलों तथा किसानों की जरूरतों के हिसाब से महत्वपूर्ण तथ्यों को शामिल किया जाना चाहिए। किसानों को अच्छी किस्म की फसलों को लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए किसानों के समक्ष फसल प्रदर्शन कर जानकारी दी जाए। उन्नत फसलों और उन्नत बीजों तथा कृषि तकनीकों से अवगत कराने के लिए शिविर लगाकर जानकारी दी जाए। किसानों को यह भरोसा दिलाये जाए कि उनके द्वारा अच्छी किस्म की दलहन एवं तिलहन के फसलों को लेने से निश्चित रूप से फायदा होगा।

उनकी फसलों को अच्छे दामों पर खरीदा जाएगा। राज्य के किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने के लिए कलस्टरवार कार्ययोजना तैयार किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा है कि फसलों की गिरदावरी करते समय किसानों से विचार-विमर्श किया जाए।

बैठक में कृषि विकास योजना के अंतर्गत शामिल कृषि विस्तार योजना, फसल विविधिकरण प्रोग्राम, राष्ट्रीय बांस मिशन, परम्परागत कृषि विकास योजना, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता, वर्षा आधारित क्षेत्र विकास, प्राकृतिक खेती मिशन, मखाना विकास योजना, राष्ट्रीय हनी मिशन, समन्वित विकास उद्यानिकी मिशन, राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयल पाम मिशन, मोटे अनाज (मक्का), रागी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन एवं आत्मनिर्भर दलहन मिशन के अंतर्गत शामिल विविध योजनाओं के बारे में अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक में इन योजनाओं के अंतर्गत प्रस्तावों वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास योजना के अंतर्गत योजनाओं की प्रस्तावित कार्ययोजना में शामिल करने के प्रस्तावों का अनुमोदन भी किया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

धान खरीदी को लेकर किसानों का प्रदर्शन कई इलाकों में चक्का जाम

सक्ती। जिले में धान खरीदी को लेकर किसानों की नाराज़गी सामने आई है। जिले के विभिन्न हिस्सों में किसानों ने सड़कों पर उतरकर चक्का जाम किया, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। किसानों का कहना है कि धान खरीदी केंद्रों में तय उम्मीद के मुताबिक धान की खरीदी नहीं हो पा रही है। इसी वजह से कई खरीदी केंद्रों के सामने किसानों ने एकत्र होकर विरोध दर्ज कराया। किसानों के अनुसार, धान खरीदी के अंतिम चरण में प्रक्रिया और नियमों को लेकर उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ किसानों का यह भी कहना है कि टोकन जारी होने के बावजूद पूरी मात्रा में धान नहीं लिया जा रहा, जिससे वे असमंजस की स्थिति में हैं। चक्का जाम के कारण आम लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़कों पर आवागमन बाधित होने से स्कूली बच्चों, कर्मचारियों और राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। न्यू साकेत विहार चंगोराभाठा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 2500 सहित चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी आदित्य नारायण सिंह 37 वर्ष न्यू साकेत विहार चंगोराभाठा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 2500 सहित चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 5 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राजिम मेले से पहले गरियाबंद पुलिस की सख्ती

गरियाबंद। आगामी राजिम मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए गरियाबंद पुलिस ने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन में थाना क्षेत्र के गुंडा और निगरानी बदमाशों की विशेष जांच की गई। चिन्हित बदमाशों को थाने तलब कर उनकी गतिविधियों की पड़ताल की गई और सख्त हिदायत दी गई कि मेला अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की आपराधिक हरकत या अशांति फैलाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान कुल 11 गुंडा बदमाशों और 9 निगरानी बदमाशों को थाने बुलाकर पूछताछ की गई और उन्हें चेतावनी दी गई। पुलिस प्रशासन ने बताया कि राजिम मेले के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और जरूरत पड़ने पर आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

पत्नी को जिंदा जलाकर मारने वाले पति को 12 साल बाद उम्रकैद की सजा, दुर्ग सेशन कोर्ट का फैसला

■ **नेवई थाना क्षेत्र का मामला, पहली पत्नी का पक्ष लेने पर होता था विवाद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में घरेलू विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया था। इस 12 साल पुराने मामले में अब सत्र न्यायालय ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हालांकि, कोर्ट ने इसे 'विरल से विरलतम' अपराध की श्रेणी में नहीं मानते हुए मृत्युदंड से इनकार कर दिया। यह घटना नेवई थाना क्षेत्र की है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 15 जनवरी 2012 की रात को हुई थी। नेवई के मिनीमाता पारा निवासी ममता (25) अपने पति घांसू उर्फ झांसूराम के साथ घर पर थी। आरोपी घांसूराम अपनी पूर्व पत्नी सुमन का पक्ष लेता था। जिससे अक्सर विवाद होता था।

घटना वाली रात करीब 9:30 बजे आरोपी घांसूराम शराब के नशे में घर पहुंचा। उसने पत्नी ममता से गाली-गलौज की और मारपीट करने लगा। जान से मारने की धमकी देते हुए उसने एक प्लास्टिक बोतल में रखा मिट्टी का तेल ममता पर उड़ेल दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गुस्से और भय की स्थिति में ममता ने खुद को आग लगा ली। इसके बाद आरोपी ने जलती हुई पत्नी पर दोबारा मिट्टी का तेल डाल दिया, जिससे आग और भड़क उठी और ममता गंभीर रूप से झुलस गई। ममता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। नेवई थाना को घटना की सूचना रात 9:40 बजे मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और ममता को गंभीर हालत में शासकीय अस्पताल, दुर्ग के बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया।

अगले दिन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट डी.आर. मरकाम ने ममता का मरणासन्न कथन दर्ज किया। अपने बयान में ममता ने स्पष्ट रूप से बताया कि उसके पति ने जान से मारने की नीयत से उस पर मिट्टी का तेल डाला था और आग लगने के बाद भी उस पर केरोसिन डालता रहा।

इलाज के दौरान मौत, हत्या में बदला मामला

पहले पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) में केस दर्ज किया। लेकिन 22 जनवरी 2012 को इलाज के दौरान ममता की मौत हो गई, जिसके बाद मामला धारा 302 (हत्या) में तब्दील कर दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से जली साड़ी, जले कपड़े और मिट्टी तेल की बोतल जब्त की।

12 साल तक फरार रहा आरोपी 2024 में हुई गिरफ्तारी

घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। वर्ष 2014 में कोर्ट ने उसे फरार घोषित कर स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया। करीब 12 साल बाद 17 नवंबर 2024 को आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद इस केस चला।

कोर्ट का फैसला- दोषी को उम्रकैद

सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर ने सभी साक्ष्य, गवाहों और मरणासन्न बयान के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने कहा कि अपराध गंभीर है, लेकिन यह विरल से विरलतम श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने आरोपी घांसू उर्फ झांसूराम को आजीवन कारावास 1000 अर्थदंड और अर्थदंड न चुकाने पर 6 माह अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

शराब के अवैध मामले में कार्रवाई करने पहुंचे आबकारी अमले के साथ मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्राम बरपाली में अवैध शराब के मामले में छापामार कार्रवाई करने पहुंचे आबकारी अमले के साथ मारपीट कर उपनिरीक्षक के निजी वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

मामले की प्रार्थिया आबकारी उप निरीक्षक के पद पर आबकारी वृत्त कोरबा (आंतरिक) कार्यालय में पदस्थ है। उसने बताया कि वह अपनी टीम के साथ प्राइवेट वाहन स्कर्पियो क्रमांक सीजी-12-बी.आर.-8820 में शराब रेड कार्यवाही हेतु ग्राम बरपाली थाना श्यांग में फूलना बाई उरांव के घर गई थी। उतने में गांव के

आसपास की महिलाएं इकट्ठा हो गईं और बार-बार तुम लोग हमारे गांव आ जाते हो, कार्यवाही करने के लिए हमारा गांव ही दिखा है क्या? इसी बीच सरपंच पति रामजीवन कंवर कुछ लोगों के साथ घटना स्थल पहुंचा। बार-बार हमारे गांव में ही क्यों शराब रेड कार्यवाही करने आते हैं, कहने लगा उतने में ही जयप्रकाश उरांव नाम का व्यक्ति इनको मारो-मारो कहकर चिल्लाते हुए डंडे से आबकारी टीम के नरेश कुमार राठौर को दाएं हाथ के कलाई में मार कर चोट पहुंचाया और स्कार्पियो वाहन के सामने शीशा को बायीं ओर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

प्रार्थिया जया मेहर की रिपोर्ट पर आरोपी जय प्रकाश उरांव, राम जीवन कंवर के विरुद्ध धारा 324(3), 115(2), 221, 3(5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

मोबाईल झपटमारी करने वाले दो आरोपी पकड़ाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के चकरभाठा थानाक्षेत्र में मोबाईल झपटमारी कर फरार होने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपीयों के कब्जे से एक नग मोबाइल और घटना में प्रयुक्त चोरी का मोटर साइकिल जब्त किया है।

01जनवरी 2026 को पीड़िता द्वारा थाना चकरभाठा उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि इलाज करने त्रिवेणी डेंटल कॉलेज चकरभाठा बिलासपुर गई थी इलाज करवाकर अपने भाई के मोटरसायकल में बैठकर वापस आ रही थी रायपुर बिलासपुर रोड डायमंड होटल के पास पहुंचे थे की उसी समय पीछे से आ रहे मोटर

साइकिल एच एफ डीलक्स में बैठे व्यक्ति द्वारा तेजी से पीड़िता के मोबाइल को झपटकर लेकर भाग गया। रिपोर्ट से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया जिनके द्वारा उक्त आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने निर्देशित करने पर एसीसीयू एवं थाना चकरभाठा से टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी किया गया पातासाजी के दौरान आरोपियों द्वारा झपटकर ले गए मोबाइल के सम्बन्ध में तकनीकी जानकारी के आधार पर 2 आरोपियों रोशन श्रीवास पिता अशोक श्रीवास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम खैरा जयराम नगर थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर तथा मोहम्मद सेराज पिता मोहम्मद मीर हसन उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम रामचंद्रा थाना कुरमी जिला मुजफ्फरपुर बिहार हाल मुकाम काली मंदिर के पास तिफरा ज्योति होटल के बाजू में तिफरा को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर घटना घटित करना स्वीकार किये।

उनसे घटना में प्रयुक्त चोरी का मोटर साइकिल जिसे बर्तोरी से चोरी करना एवं झफटमारी किता गया मोबाइल जप्त कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया है।

नशे के खिलाफ कार्रवाई, 3.7 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। पुलिस आयुक्त संजीव शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कामले के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (मध्यक्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तारकेश्वर पटेल और सहायक पुलिस आयुक्त सिविल लाइन रमाकांत साहू के निर्देशानुसार मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध खरीदी-बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तारकेश्वर पटेल, सहायक पुलिस आयुक्त रमाकांत साहू एवं थाना प्रभारी तेलीबांधा द्वारा पुलिस बल के साथ देवारपारा क्षेत्र में घेराबंदी कर सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान आरती तेलासी पति आशीष तेलासी, उम्र 30 वर्ष, निवासी सुभाष नगर देवारपारा के कब्जे से एक सफेद प्लास्टिक थैला और एक कपड़े का थैला बरामद किया गया।

जांच करने पर प्लास्टिक थैले में 2.170 किलोग्राम तथा कपड़े के थैले में 1.530 किलोग्राम गांजा मिला। कुल 3.700 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 30,700 रुपये बताई गई है, को गवाहों के समक्ष जब्त किया गया।

आरोपिया के विरुद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 31/26 धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सूखे नशे का अवैध कारोबार करने वाले दो पकड़ाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर कोतवाली पुलिस द्वारा सूखे नशे का अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए तीन अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा एक ही समय पर बीजापुर नगर के भिन्न-भिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। तथा दो आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना के मार्ग दर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक सुदीप सरकार के दिशा-निर्देशन में 27 जनवरी2026 को बीजापुर कोतवाली पुलिस द्वारा सूखे नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। इस दौरान पुलिस ने विजय नगर, से आरोपी पापैया गोनेट, पिता कांता उर्फ कन्ना गोंनेट उम्र 47 वर्ष, के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया तथा अटल आवास से सहजान खान, पिता फिरदौस खान, उम्र 30 वर्ष, के कब्जे से मादक नशीली पिल्स (टेबलेट) बरामद की गई ।

बरामदगी के उपरांत दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत विधिवत कार्यवाही करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया।

बीजापुर पुलिस नशे के विरुद्ध सख्त एवं प्रतिबद्ध है। अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार की कार्यवाहियाँ निरंतर एवं सतत रूप से जारी रहेंगी।

बीजापुर पुलिस आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार अथवा उनका सेवन किए जाने की जानकारी प्राप्त हो, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा बीजापुर पुलिस को दें तथा जिले को नशा-मुक्त बनाने के अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

कबाड़ माफियों का शह : रेल व विद्युत परियोजना चोंरों के निशाने पर, पार कर दिए ढाई लाख के कीमती अल्युमिनियम केबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले को चोरों और अवैध कबाड़ियों की नजर लग गई है। घर गृहस्थी के सामानों की चोरी तो हो ही रही है, मोटरसाइकिलों की चोरी पर भी कोई खास लगाम नहीं लग सकी है और ना ही हाल-फिलहाल दर्ज हुए मामलों में अपेक्षित सफलताएं मिली हैं। इस बीच सनसनीखेज घटनाक्रम में जहां कबाड़ माफिया की शह पर चोरों ने लोहा निर्मित पुल को ही काट डाला तो वहीं अलग-अलग थाना क्षेत्र में विद्युत सप्लाई में उपयोगी व लगभग ढाई लाख रुपये कीमती अल्युमिनियम केबल व तार की चोरी को अंजाम दिया गया। इस बीच पश्चिमांचल बांकीमोंगरा से निर्माणधीन रेल परियोजना की लाइन से पटरी भी काट कर चोरी कर लिए जाने की खबर है।

कोरबा जिले में किसी संगठित गिरोह की दस्तक लगातार बनी हुई है जो स्थानीय चोरों की मदद से वारदातों को अंजाम देने के बाद चोरी के सामानों को जिले की सीमा पार करते हुए पड़ोसी जिलों में खपा रहा है। सरहदी इलाकों, आउटर क्षेत्र में जांच पड़ताल में उदासीनता और मालवाहनों की नियमित जांच नहीं

होने का पूरा-पूरा फायदा उठाए जाने से इनकार नहीं किया जा सकता। सनसनीखेज चोरियों की कड़ी में 2 लाख 13 हजार 400 रूपये कीमती एल्युमिनियम की चोरी कर ली गई।

प्रार्थी जगदीश प्रसाद माँ वैष्णव ड्रेडिन्ग कंपनी का प्रोपराईटर है। कंपनी के द्वारा कोरबा जिले के वनांचल ग्राम लबेद में बिजली विभाग का एबी केबल कनवर्जन का काम आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत लिया गया था जो ग्राम लबेद में काम खत्म हुए 10 दिन हो गया है।

ग्राम लबेद-सक्ती मेन रोड में कम्पनी के सामान रखने का गोदाम है। इस गोदाम से एल्युमिनियम केबल (70एम) एवं एल्युमिनियम तार 26 जनवरी को रात्रि में चोरी होने की सूचना मिली थी। स्टाफ के साथ गोदाम में जाकर देखा तो लगभग 400 मीटर एल्युमिनियम केबल (70एम) कीमती 80400 रूपये एवं एल्युमिनियम तार लगभग 400 किलो कीमती 1 लाख 33000 रुपये कुल 213400 रूपये की चोरी हो गया। प्रार्थी जगदीश कुमार गुप्ता निवासी मछली शहर उत्तरप्रदेश, हाल पता ग्राम तुमान थाना उरगा की रिपोर्ट पर धारा 305, 331(4)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर चोर की तलाश की जा रही है।

पहले की चोरी अनसुलझी

इससे पहले की चोरी आज तक अनसुलझी है। उदय कन्ट्रक्शन कुलीपोटा जिला-जांजगीर चाम्पा को हरदीबाजार डीसी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बोईदा एवं आसपास के क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था हेतु एलटी केबल कनेक्शन करने का ठेका प्राप्त हुआ है। पेटी ठेका कृष्णा सिंह चंदेल (मिंटू) पिता रूपसिंह चंदेल द्वारा लिया गया है। उक्त कार्य हेतु उसके द्वारा आवश्यक सामाग्री एवं एलटी केबल 35डड को तीन पेड़िया पेड़ गोड़वाना भवन बोईदा के पास रखा गया थ जो 19 जनवरी को दोपहर 3 बजे एलटी केबल 70डड एक ड्रम (1020 मीटर) चोरी कर लिया गया।इसके बाद 21-22 जनवरी के दरम्यानी रात्रि में एलटी केबल के ड्रम का केबल करीबन 300 मीटर को भी अज्ञात चोर चोरी कर ले गये। चोरी गए केबल की अनुमानित कीमत करीबन 42000 रूपये है। थाना हरदीबाजार में रिपोर्ट दर्ज है।

रेल परियोजना को निशाना बनाया

बांकीमोंगरा थाना अंतर्गत गेवरा-पेंड्रा रोड रेल लाइन विस्तार कार्य के दौरान निर्माण स्थल से बड़े पैमाने पर रेल सामग्री चोरी कर ली गई। आधुनिक गैस कटर और भारी वाहनों की मदद से रेलवे की पटरियां और लोहे के ढांचे काटकर ले जाया गया है। पंखा दफाई में देर रात अज्ञात बदमाशों ने निर्माणाधीन रेल लाइन से कीमती रेल ट्रैक काट लिया। साइट पर खड़ी हाइड्रा मशीन का शीशा भी तोड़ दिया गया, जिससे साफ है कि चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले पर कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले की चौकी चिखली पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। साथ ही वाद विवाद कर शांति भंग करने वाले एक बदमाश के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन (भापुसे) के पर्यवेक्षण में जिले मे अवैध गांजा, शराब बिक्री व असामाजिक तत्व, गुण्डा बदमाश, और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालो के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। कार्यवाही मे 28जनवरी.26 को आम स्थान पर शराब पीने वाले आरोपी विकास उके पिता छन्नूलाल उके उम्र 27

साल साकिन रामनगर हनुमान मंदिर के पास ओपी चिखली जिला राजनांदगांव के विरूद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट के तहत् विधिवत कार्यवाही किया गया। इसी प्रकार अभियान कार्यवाही मे लड़ाई झगड़ा कर परिशांति भंग करने वाले बदमाश आकाश गोन्नाडे पिता किशोर गोन्नाडे उम्र 22 साल साकिन शंकरपुर वार्ड नं. 9 ओपी चिखली जिला राजनांदगांव छ.ग. के विरूद्ध धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत् कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया गया।

शराब के अवैध बिक्री के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले की थाना शिवरीनारायण एवं थाना सारागांव पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं 36 पाव प्लेन देशी शराब जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है थाना सारागांव पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी हरनारायण कर्ष के कब्जे से 36 पाव देशी प्लेन शराब पुलिस द्वारा आरोपी दीनदयाल साहू के कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद किया कर आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

प्रमुख खबरें

सूरजपुर की दो सड़कों के लिए 38.39 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलो में महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के कार्यों को कराने के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इसी कड़ी में सूरजपुर के अंतर्गत बिशुनपुर-सूरजपुर-ओड़गी मार्ग (एसएच-16) के सुदृढ़ीकरण एवं मजबूती कार्य के लिए 32 करोड़ 24 लाख 47 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर के अंतर्गत जमदेई से पोतका मार्ग पर रेहण्ड नदी तक मार्ग निमार्ण कार्य के लिए 6 करोड़ 15 लाख 40 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

जामुण्डा-कटंगखार मार्ग के लिए 4.62 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर जशपुर जिले के अंतर्गत विकासखण्ड कांसाबेल के गड़ैरटोली से जामुण्डा-कटंगखार पहुंच मार्ग लम्बाई 4.50 किलोमीटर पुल-पुलियों सहित निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 62 लाख 80 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। क्षेत्र में महत्वपूर्ण सड़क कार्य की स्वीकृति मिलने से लोगों का आवागमन सुविधा जनक हो जाएगा। इस मार्ग का निर्माण कार्य क्षेत्रीय लोगों के आवागमन के लिए अति महत्वपूर्ण है। इस कार्य की स्वीकृति मिलने से सड़क निर्माण कार्य शीघ्र होने से क्षेत्रीय लोगों को सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह 10 फरवरी को

गरियाबंद। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ 10 फरवरी 2026 को किया जाएगा। अटल नगर नवा रायपुर में भव्य समारोह आयोजित होगा। जहां लगभग 1 हजार 100 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। पहले 6 फरवरी की तिथि निर्धारित थी, किंतु अब यह आयोजन अन्य जिलों के साथ संयुक्त रूप से 10 फरवरी को किया जाएगा। राजिम कुंभ (कल्प) में लगभग 200 संभावित जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी इसके लिए पंजीयन 3 फरवरी तक करवा सकते हैं।

सीएम साय ने किया कुम्भकार महासम्मेलन का उद्घाटन

कुम्भकार सामुदायिक भवन के लिए 30 लाख की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ कुम्भकार समाज के दो दिवसीय राज्य स्तरीय महाअधिवेशन का शुभारंभ आज नवागांव, अभनपुर में भव्य रूप से हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर कुम्भकार समाज की परंपरागत कला, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। श्री साय ने समाज के विकास हेतु सर्व सुविधायुक्त भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ कुम्भकार समाज के महाअधिवेशन, युवक-युवती परिचय सम्मेलन और प्रतिभा सम्मान समारोह के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत महाराष्ट्र के दिवंगत उप राष्ट्रपति स्वर्गीय अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिचय सम्मेलन में शामिल युवक-युवतियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मेलन समाज के बेटा-बेटियों को योग्य जीवन-साथी चुनने का सशक्त मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने समाजजनों से अपील की कि वे अपने समाज के प्रत्येक बेटा-बेटी को शिक्षा से जोड़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि एक सफल, संस्कारित और जिम्मेदार मानव जीवन जीने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ इस वर्ष अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रहा है और इन 25 वर्षों में प्रदेश ने सड़क, बिजली, पानी, खाद्यान्न, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव को डामर सड़कों से जोड़ा गया है। प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की उपलब्धता भी अब व्यापक स्तर पर हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान सरकार ने मात्र दो वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर दिया है। प्रदेश में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ तेजी से किया जा रहा है और किसानों को बोनस राशि चार किश्तों में नहीं, बल्कि एकमुश्त उनके खातों में अंतरित की जा रही है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना से माताओं-बहनों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। बीते दो वर्षों में सुरक्षाबलों ने साहस और दृढ़ता के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। 31 मार्च 2026 तक देश से इसके पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। बस्तर में अब विकास की नई यात्रा शुरू हो चुकी है और सुरक्षा कैंपों की स्थापना से क्षेत्र में शांति और विश्वास का माहौल बना है।

नई उद्योग नीति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति को देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और नया रायपुर में कई उद्योगों की शुरुआत भी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण है, जिसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

पीएम श्रम योगी मानधन योजना बना असंगठित श्रमिकों के बुढ़ापे का संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केन्द्र शासन द्वारा असंगठित श्रमिकों को बुढ़ापे में संबल देने प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी लगाने वाले, रिक्शा चालक, निर्माण श्रमिक, खेतिहर मजदूर सहित असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद प्रति माह 3 हजार रूपए की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है, जिसमें श्रमिक द्वारा किए गए अंशदान के बराबर राशि केंद्र सरकार द्वारा भी जमा की जाती है।

श्रम पदाधिकारी मुंगेली श्री अभिषेक सिंह ने बताया कि योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के वे श्रमिक उठा सकते हैं, जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपए या उससे कम हो। लाभार्थी को ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस का सदस्य नहीं होना। अंशदान आयु के अनुसार तय है। 18 वर्ष की आयु में जुड़ने पर मात्र 55 रूपए प्रतिमाह, जबकि 40 वर्ष की आयु में जुड़ने पर 200 रूपए प्रतिमाह अंशदान निर्धारित है। इच्छुक श्रमिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर और नामिनी का विवरण आवश्यक है।

फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत 10 से 25 फरवरी तक होगा सामूहिक दवा सेवन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में फाइलेरिया उन्मूलन हेतु 10 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक फाइलेरिया रोधी दवाओं का सामूहिक सेवन कराया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वय के साथ व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। जिला मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि सामूहिक दवा सेवन अभियान के अंतर्गत जिले के सभी विकासखण्डों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों एवं स्वयंसेवकों के माध्यम से लक्षित जनसंख्या को निःशुल्क फाइलेरिया रोधी दवाएं (एल्बेंडाजोल, डी.ई.सी. एवं आईवरमेक्टिन) खिलाई जाएंगी। 02 वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी पात्र नागरिकों को दवा सेवन कराया जाएगा। यह दवाएं पूर्णतः सुरक्षित एवं फाइलेरिया रोग की रोकथाम में अत्यंत प्रभावी हैं। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे दवा का सेवन अवश्य करें एवं अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। फाइलेरिया रोग क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों के माध्यम से फैलता है, जो गंदे एवं स्थिर जल में पनपते हैं।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनी द्रौपती बांधे, सब्जी बाड़ी से बदले हालात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत ग्राम बरछा निवासी श्रीमती द्रौपती बांधे ने बिहान योजना से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलता प्राप्त की है।

बिहान योजना के अंतर्गत जय लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई। समूह के ध्यम से उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त हुई। प्राप्त ऋण राशि का सही उपयोग करते हुए श्रीमती द्रौपदी बांधे ने सब्जी उत्पादन और विक्रय का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने न केवल फसल उगाई, बल्कि उसे बाज़ार में बेचकर नियमित आय अर्जित करना भी शुरू किया।

द्रौपती बांधे ने बताया कि पहले उनकी मासिक आय, जो पहले लगभग 20 हजार रूपए थी, अब बढ़कर 50 हजार रूपए तक पहुँच गई। जिससे वे समय पर ऋण चुकाने में सक्षम हुईं और साहूकारों पर निर्भरता समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती द्रौपदी बांधे की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी।

परिवार की आय के साधन सीमित थे और रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। छोटी-मोटी मजदूरी और अस्थायी कार्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें गाँव के साहूकारों से ऊँचे ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे उनकी स्थिति और अधिक दयनीय हो जाती थी। परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही थीं, लेकिन अब वे पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुकी हैं।

पर सब्जी बाड़ी ने उनके पास नियमित आवक का एक स्रोत दे दिया है जिससे वे अपने सारी खर्च निकाल पा रही हैं। उन्होंने योजना के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया।

पर्यटन बना छत्तीसगढ़ का आर्थिक इंजन, संस्कृति बनी पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक एवं संचालक, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विवेक आचार्य ने एक प्रेस कांफ्रेंस में पिछले दो वर्षों की उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं का विस्तृत विवरण दिया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और विरासत संवर्धन तीनों क्षेत्रों में समन्वित प्रगति का मॉडल स्थापित किया है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने से निजी निवेश के नए द्वार खुले। राज्य और देश के प्रमुख शहरों में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से 500 करोड़ रुपये से अधिक निजी निवेश सुनिश्चित किया गया। इससे पर्यटन अधोसंरचना, होटल, रिसॉर्ट और साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। रामलला दर्शन योजना के तहत आईआरसीटीसी के साथ हुए समझौते के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में लगभग 42 हजार 500 श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेनों से अयोध्या दर्शन कराया गया। यह योजना धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई होम-स्टे नीति लागू की गई। 500 नए होम-स्टे विकसित करने का लक्ष्य है। राज्य सरकार ने 24 नवंबर 2025 को छत्तीसगढ़ होम-स्टे नीति 2025-30 को अधिसूचित किया है। यह नीति राज्य भर में नए होम-स्टे के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी और ब्याज सब्सिडी प्रदान करती है, जो ग्रामीण और समुदाय आधारित पर्यटन का समर्थन करती है, इसके लिए राज्य सरकार ने बजट भी स्वीकृत किया है।

भोरमदेव मंदिर कॉरिडोर

संचालक, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विवेक आचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित की जा रही है। एक जनवरी 2026 को भारत के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र शेखावत एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस परियोजना का भूमिपूजन किया। भोरमदेव मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है और इस कॉरिडोर निर्माण के माध्यम से आने वाले हजार वर्षों तक इसे संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है।

पर्यटन सचिव ने बताया कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पेन, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों में आयोजित वैश्विक यात्रा कार्यक्रमों में भाग लेकर छत्तीसगढ़ पर्यटन का देश-विदेश मे भी प्रचार-प्रसार किया, जिससे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को वैश्विक मानचित्र पर भी जगह मिली। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने फिक्की जैसी संस्थाओं के साथ भी भागीदारी की है, जिससे देश के प्रमुख प्रचार मंचों और कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। यूनिवर्सल ट्रैवल कॉन्क्लेव जैसी प्रसिद्ध यात्रा प्रदर्शनियों में सक्रिय भागीदारी दी।

राज्य में पर्यटन से संबंधित व्यवसायों के पंजीकरण में वृद्धि

छत्तीसगढ़ में जनवरी 2024 तक टूर ऑपरेटर व ट्रेवल ऑपरेटरों की संख्या मात्र 30 थी, वर्तमान में यह संख्या 300 से अधिक पहुंच चुकी है। इसके अतिरिक्त 15 होटल छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के साथ पंजीकृत है, जिसकी और अधिक बढ़ने की संभावना है। रिसॉर्टस और मोटल की परिचालन दक्षता और रणनीतिक प्रबंधन के कारण छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल का वित्तीय लाभ वित्त वर्ष 2024-25 में जहां 2 करोड़ रूपए था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में लाभ पांच गुना बढ़कर 10 करोड़ रुपए हो गया है।

मयाली-बगीचा, सिरपुर एकीकृत विकास का मास्टर प्लान तैयार

भारत सरकार ने जशपुर में मयाली-बगीचा सर्किट अंतर्गत तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 10 करोड़ रूपए मंजूर किए हैं। इस परियोजना का भूमिपूजन 25 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा

किया गया था। सिरपुर एकीकृत विकास सिरपुर को एक विश्व विरासत स्थल में बदलने के लिए एक मास्टर प्लान विकसित किया जा रहा है।

संस्कृति एवं पुरातात्विक संपदा भी बना आकर्षण का केन्द्र

संस्कृति एवं पुरातत्त्व के संचालक विवेक आचार्य ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के कलाकारों, साहित्यकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन किया जा रहा है, जिससे विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके। उन्होंने बताया कि चिन्हारी पोर्टल में पंजीकृत 141 कलाकारों एवं साहित्यकारों को वित्तीय वर्ष-2024-25 में लगभग 34 लाख रूपए एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 130 कलाकारों को लगभग 31 लाख रूपए की राशि पेंशन के रूप में प्रदान की गई। इसी तरह कलाकार कल्याण कोष योजना के अंर्तगत कलाकारों और साहित्यकारों अथवा उनके परिवार के सदस्यों की बीमारी, दुर्घटना एवं मृत्यु की स्थिति में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 08 अर्थाभाव ग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों को 2 लाख रूपए एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 44 प्रकरणों हेतु 14 लाख रूपए स्वीकृत किया गया है। राज्य शासन छत्तीसगढ़ के कलाकारों एवं साहित्यकारों के प्रत्येक सुख-दुख में साथी है, तथा संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ राज्य के कलाकारों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है।

बस्तर पंडुम

छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए किया जा रहा है। यह उत्सव तीन चरणों में 10 जनवरी से 9 फरवरी 2026 तक चलेगा। जनजातीय नृत्य, लोकगीत, नाट्य, वाद्य यंत्र, वेश-भूषा-आभूषण, पूजा पद्धति, हस्तशिल्प, चित्रकला, जनजातीय पेय, पारंपरिक व्यंजन, क्षेत्रीय साहित्य, वन-आधारित औषधीय ज्ञान, पर्यटन और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ेगी।

चित्रकोट ग्लोबल डेस्टिनेशन डेवलपमेंट

चित्रकोट इंडिजिनस नेचर रिट्रीट नामक एक व्यापक प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य चित्रकोट को एक वैश्विक स्तर पर पुनर्विकसित करना है। इस परियोजना हेतु पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार से 250 करोड़ रूपए की फंडिंग अपेक्षित है।

पुरातत्व क्षेत्र रीवांगढ़

रायपुर से लगभग 25 किलोमीटर पूर्व स्थित ग्राम रीवां (रीवांगढ़) में चल रहे पुरातात्विक उत्खनन ने प्रदेश के प्राचीन इतिहास को लेकर नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने रखी है। कार्बन-14 डेटिंग के माध्यम से यह प्रमाणित हुआ है कि इस क्षेत्र में मानव सभ्यता उत्तर वैदिक काल यानी 800 ईसा पूर्व से भी पहले विकसित हो चुकी थी। भारत भवन विविध कला एवं सांस्कृतिक केन्द्र, राज्य अभिलेखागार, राजकीय मानव संग्रहालय एवं स्वामी विवेकानंद स्मारक संग्रहालय की स्थापना की योजना है।

फिल्म सिटी और कन्वेंशन सेंटर- 350 करोड़ की परियोजना

डॉ. रोहित यादव ने बताया कि भारत सरकार की राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता योजना के तहत एकीकृत फिल्म सिटी और कन्वेंशन सेंटर के विकास की मंजूरी मिली है, जिसकी अनुमानित लागत 350 करोड़ रूपए है। भूमि पूजन 24 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के निर्माण से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिलेगी। इससे छत्तीसगढ़ न केवल फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा बल्कि राज्य की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। चित्रोत्पला फिल्म सिटी और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगी, निवेश के नए अवसर सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त होगी।

500 नए होमस्टे विकसित करने का लक्ष्य

सचिव डॉ. रोहित यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ की पर्यटन नीति 2026 के तहत अगले पांच वर्षों में 350 करोड़ रूपए. से अधिक के निवेश का अनुमान है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल लीजकम डेवलपमेंट मॉडल के तहत 17 पर्यटन संपत्तियों को निजी भागीदारी से आउटसोर्स कर 200 करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित करने की योजना बना रही है, जिससे सैकड़ों स्थानीय व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। राज्यभर में 500 नए होमस्टे विकसित करने का लक्ष्य है। इसी तरह चित्रकोट में टेंट सिटी के विकास की योजना है, जिसके तहत चित्रकोट फॉल्स के पास साहसिक गतिविधियों के साथ कम से कम 50 लक्जरी टेंट लगाए जाएंगे। फिक्की के सहयोग से छत्तीसगढ़ ट्रैवल मार्ट नामक एक वार्षिक फ्लैगशिप कार्यक्रम स्थापित किया जाएगा। यह आयोजन बीटूबी पर्यटन को बढ़ावा देने पर केन्द्रित होगा, जिससे 200 से अधिक टूर ऑपरेटरों को आकर्षित करने योजना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950